राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 134 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 04 अप्रैल 2026 www.samaydarshan.in

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

बस्तर की यह नई पहचान आने वाली पीढ़ियों के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह क्षेत्र अब शांति, प्रगति और गौरव की राह पर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

हम कृतज्ञ हैं.....

माँ दंतेश्वरी और जनजातीय नायक वीर गुण्डाधुर की यह धरती छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 को माओवादी आतंक से मुक्त हुई है। हिंसक माओवादी विचारधारा ने न जाने कितनी माँओं की कोख उजाड़ दी, बहनों का सुहाग और मासूमों के सिर से पिता का साया छीन लिया। देश के लिए लड़ते हुए हजारों जवान शहीद हुए। दशकों से सशस्त्र माओवाद देश के विकास को खोखला करता रहा, वर्ष 2014 में आपके आशीर्वाद से यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार आई और दृढ़ संकल्प तथा सुनियोजित रणनीति के माध्यम से माओवादी हिंसा पर कठोर प्रहार किया गया। अनेक राज्य सशस्त्र माओवाद से मुक्त हुए लेकिन हमारी छत्तीसगढ़ महतारी और हमारे पड़ोसी राज्यों में यह नासूर बचा हुआ था। आपने पुनः आशीर्वाद दिया और राज्य में डबल इंजन की सरकार बनाई। पिछले ढाई सालों में आपकी सरकार ने सामूहिक संकल्प के बल पर इस सशस्त्र माओवादी नासूर को नष्ट कर दिया।

हम कृतज्ञ हैं उन शहीद जवानों के प्रति, जिन्होंने अपने प्राणों की आहूति देकर देश को माओवाद से मुक्ति दिलाई। हम कृतज्ञ है हमारे सुरक्षा बल के जवानों के प्रति, जिन्होंने साहस और संकल्प के साथ अपनी जान पर खेलकर माओवाद की जड़ पर कड़ा प्रहार करके उसका समूल नाश किया।

हम कृतज्ञ हैं बस्तर की जनता का, जिन्होंने माओवादी हिंसा को न केवल अस्वीकार किया अपितु उसके विरोध में खड़े हुए। मुझे आपका जज्बा याद आता है जब सशस्त्र माओवादियों द्वारा वोट देने पर ऊंगली काट देने की धमकी दी जाती थी, तब भी आप निर्भय होकर लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान करते थे। आपके मतदान से एक ऐसा नेतृत्व आया जिसने एक दशक के भीतर आंतरिक सुरक्षा के इस सबसे बड़े संकट को समाप्त कर दिया।

हम कृतज्ञ हैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साहसपूर्ण नेतृत्व के प्रति। मुझे याद है वर्ष 2015 में दंतेवाड़ा में उन्होंने अपनी सभा में हथियार उठाने वाले युवाओं से कहा था 'एक प्रयोग कीजिए, पांच दिन हथियार रख दीजिए, उस परिवार के बच्चे के साथ दिन गुजारिए जिसने आपकी वजह से अपने परिजनों को खोया है फिर आप कभी हिंसा के रास्ते में नहीं जाएंगे।'

प्रधानमंत्री जी ने हमेशा हमारा हौसला बढ़ाया, मार्गदर्शन किया है। उनके दृढ़ संकल्प की बदौलत देश माओवादी हिंसा से मुक्त हुआ है। हिमालय जैसी चुनौतियों से निपटने के उनके साहस ने हमें उत्साह से भर दिया और हमने यह असंभव जैसा लक्ष्य प्राप्त किया।

हम कृतज्ञ हैं केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के , जो माओवादी नासूर को नष्ट करने के लिए बनायी गई रणनीति के शिल्पी हैं । रायपुर में पत्रकारों की भरी सभा में आपने देश से वायदा किया था कि 31 मार्च 2026 तक माओवाद को समाप्त करेंगे और इसे पूरा किया। आपने माओवादी आतंक को नष्ट करने के लक्ष्य पर नजर टिकाए रखी। हमारा नेतृत्व किया, संसाधन और मार्गदर्शन दिया। हमारे बहादुर जवानों के बीच पहुंचकर उनका हौसला बढ़ाया। आपने गोली का जवाब गोली से और बोली का जवाब बोली से देने का संदेश दिया। माओवादी हिंसा को छोड़कर जो शांति की राह पर लौटे, संविधान को अपनाया, उनका हमने स्वागत किया।

हम कृतज्ञ हैं प्रदेश की जनता के प्रति जो इस सुंदर धरती को सशस्त्र माओवाद से मुक्त कराने के रास्ते में सहभागी बनी, आपने हम पर विश्वास किया। विश्वास कीमती होता है, हमने इसकी रक्षा की है। बस्तर में बच्चे अब निर्भय होकर स्कूल जाएंगे, माताएं-बहनें आजादी की सांस लेंगी और हर तरफ विकास का उजाला फैलेगा।

अब कहीं रेड कॉरिडोर नहीं, हर तरफ ग्रीन कॉरिडोर है।
एक सुखद उज्ज्वल भविष्य की राह पर हम सब सहभागी बन अब आगे बढ़ेंगे।

जय भारत, जय छत्तीसगढ़

आपका **विष्णु देव साय** मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

खबर-खास

थाना बिलाईगढ अंतर्गत ग्राम खजरी में पति ने किया पत्नी की गमछा से गला घोंटकर हत्या

सारँगढ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। बिलाईगढ़ थाना अंतर्गत एक बार हत्या जैसे घटना सामने आया है जिसमे खुद की पत्नी को गला घोंटकर हत्या कर दिया गया है पुलिस की त्वरित कार्यवाही आरोपी पति को गिरफ्तार किया घटना का विवरण इस प्रकार है कि, आज दिनांक 03.04.2026 को प्रार्थी सुखीराम साहू पिता स्व. फिरतूराम साहू उम्र 70 वर्ष निवासी खजरी द्वारा तडके सुबह थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 02.04.2026 के रात्रि वह भोजन उपरांत घर में आराम कर रहा था रात्रि करीब 12:30 बजे इसका पुत्र आरोपी राजेश साहू के द्वारा उसे जगाकर बताया गया कि उसने अपनी पत्नी कुन्ती साहू का गला दबाकर हत्या कर दिया है। जिस पर प्रार्थी द्वारा थाना उपस्थित आकर आरोपी राजेश साहू के विरूद्ध थाना बिलाईगढ में अपराध कमॉक 62/2026 धारा- 103 (1) भारतीय न्याय संहिता 2023 दर्ज कराया। बिलाईगढ थाना प्रभारी द्वारा तत्काल घटना की सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियो को देकर उचित दिशा निर्देश प्राप्त कर विवेचना कार्यवाही करते हुये आरोपी राजेश साहू जो भागने के फिराक में था ग्रामिणो के मद्द से तत्काल पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर गमछा से अपने पत्नी कुन्ती साहू उम्र 38 साल का गला घोंटकर हत्या करना बताया। आरोपी के निशानदेही पर गमछा को पुलिस द्वारा जप्त किया गया है। आरोपी के द्वारा अपराध कारित करने में प्रयुक्त गमछा को जलाकर नष्ट करने का प्रयास कर रहा था परंतु पुलिस की तत्परता से आरोपी गमछा को जलाने में सफल नही हो पाया। उल्लेखनीय है कि आरोपी राजेश साहू शराब पीने का आदि था बीती रात को आरोपी का अपने पत्नी मृतिका कुन्ती साहू से वाद विवाद हुआ था जिसमें आरोपी के बताये अनुसार मृतिका द्वारा उसे शराब पीते रहते हो कोई काम नहीं करते हो, सब जमीन जायदाद बेंच दूंगी, तुम्हारे खिलाफथाना में शिकायत कर दूंगी, जेल भेजवा दूंगी बोलकर वाद विवाद कि थी इसी कारण आरोपी द्वारा अपनी पत्नी का गमछा से गला घोंट कर हत्या कर दिया।

सीएसईबी विभाग के मेंटेनेंस कार्य के चलते 4 अप्रैल को बिजली बंद होने से जल सप्लाई प्रभावित

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत 11, 42 और 24 एमएलडी प्लांट आंशिक रूप से प्रभावित, दूसरी पाली की सप्लाई देरी या आंशिक परिवर्तन हो सकता है।

दुर्ग सीएसईबी विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार,मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा जिसके कारण शहर में जल आपूर्ति व्यवस्था से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। सीएसईबी विभाग के अनुसार दिनांक 04 अप्रैल 2026 (शनिवार) को 33 के.व्ही. शिवनाथ इंटकवेल फीडर में तकनीकी समस्या सामने आई है, जिसमें ए.बी. स्वीच के रेड हॉट होने की स्थिति पाई गई है। इस संभावित खतरे को ध्यान में रखते हुए आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जाना अनिवार्य हो गया है।

महासमुन्द छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी खैलेंगे अब विंटर ओलंपिक गेम कर्लिंग

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अब अवसर मिलेगा विंटर ओलंपिक खेल मे भाग लेने का अवसर लेवल 1 और ओपन कर्लिंग कैम्प हिमाद्री आइस रिंग देहरादून उत्तराखंड में 26 मार्च से 4 अप्रैल तक कोचिंग कैम्प का आयोजन किया गया ,जिसमें छत्तीसगढ़ के 16 जिले से 16 कोच सामिल हुए एवं कर्लिंग खेल का प्रशिक्षण लिया । यह कोचिंग कैम्प डॉक्टर रशमी सलूजा प्रेसिडेंट कर्लिंग फेडरेशन ऑफइंडिया के निर्देशन में आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि ,दुनिया को सतरंज जैसा बोद्धिक खेल भारत ने दिया, लेकिन यह खेल उसी रणनीति से बर्फपर खेले जाने से कर्लिंग के नाम से ओलंपिक का हिस्सा बन गया। अब छत्तीसगढ़ के युवा भी बर्फीली बिसात पर उसी रणनीति से खेलने को बेताब हैं। कैम्प मे आगामी ओलंपिक के लक्ष्य को सधने देश के 10 राज्यों से आये 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया डॉक्टर रशमी सलूजा ने छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण प्राप्त करने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किये। इस प्रशिक्षण के महासंघ मे एथलीट कमिटी के चेयरपर्सन पी एन राजू सर कनाडा से देहरादून आये हैं ,उन्होंने बताया कि पिछले 4 वर्षों से गुलमर्ग जम्मू में हो रहा था ,,जहां अंतराष्ट्रीय मानक का रिंग तैयार करना बहुत ही चुनौती पूर्ण होता है। देहरादून के कृत्रिम आइस रिंग में हमे बेहतर नियंत्रित वातावरण मिल रहा है, जो खिलाड़ियों की तकनीक सुधारने के लिए आदर्श है । यह प्रतिभागियों के लिए किफायती भी साबित हो रहा है । छत्तीसगढ़ राज्य कर्लिंग खेल संघ के अध्यक्ष उपेन्द्र प्रधान के बताया कि आने समय में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी विंटर खेल जैसे ओलंपिक खेलों मैं पदक जितने के लिए देहरादून में प्रशिक्षण ले रहे है।

मोर गांव मोर पानी महाभियान बना जन आंदोलन, 32058 वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण

जल संरक्षण की दिशा में दुर्ग जिले की बड़ी उपलब्धि

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में जल संरक्षण की दिशा में संचालित मोर गांव मोर पानी महाभियान ने जन आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों में मात्र 15 दिनों के भीतर 32 हजार 058 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर दुर्ग जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अभियान के माध्यम से भूजल स्तर सुधारने की दिशा में बड़ी पहल सफल रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग दुबे के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत एकेच गोठ, एकेच बानी, बूंद-बूंद बचाबो पानी 2.0 अभियान की शुरुआत 13 मार्च 2025 को की गई थी। अभियान के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के घरों में मात्र दो घंटे के भीतर 1764 सोक पीट का निर्माण कर गोल्डन बुक में नाम दर्ज कराया गया। द्वितीय चरण में 08 दिसम्बर को 12 हजार 418 सोक पीट का निर्माण किया गया, जिससे कुल 14 हजार 182 सोक पीट का निर्माण स्वप्रेरणा से किया गया। इसके साथ ही मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत 23 हजार 889 कंटूर ट्रेंच एवं वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच का निर्माण भी पूर्ण किया गया है। मनरेगा के माध्यम से जल संचय कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अब तक 32 हजार 058 संरचनाओं की एंट्री पोर्टल पर की जा चुकी है। इस अभियान में ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया, जिससे यह अभियान जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। प्रत्येक प्रधानमंत्री आवास में निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं से न केवल वर्तमान की जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए भी जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। अभियान के तहत विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसमें कम खर्च वाले 24 कार्य, 15 बोरवेल रिचार्ज, 03 चेकडेम, 5875 कंटूर ट्रेंच, 07 गली प्लग, 03 नाला बंड, 18 ओपन वेल रिचार्ज (डगवेल), 07 परक्यूलेशन तालाब, 537 रिचार्ज पीट, 05 रिचार्ज शाफ्ट, 817 रूफ्टॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, 6676 सोक पीट, 09 टैंक, 48 विलेज पॉण्ड तथा 18014 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच कार्य शामिल हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल स्तर में सुधार और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

सारंगढ़ जनपद पंचायत के सामने बाइक की डिक्की तोड़कर 49 हजार की चोरी, रोजगार सहायक बना शिकार

सारंगढ़-बिलाइगढ़(समय दर्शन)। जिला मुख्यालय सारंगढ़ में बेखौफ चोरों के हौसले बुलंद हैं। ताजा मामले में जनपद पंचायत कार्यालय के ठीक सामने खड़ी एक मोटर साइकिल की डिक्की तोड़कर अज्ञात चोरों ने 49,000 रुपये की नगदी और बैंक पासबुक पार कर दी। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम खुरसी निवासी दुर्गेश टंडन, जो ग्राम पंचायत खुरसी और जल्दी में रोजगार सहायक के पद पर कार्यरत हैं, इस चोरी का शिकार हुए हैं। 27 मार्च 2026 को दुर्गेश अपने निजी काम से सारंगढ़ आए थे। उन्होंने अपैक्स बैंक सारंगढ़ से धान बिक्री की राशि 49,000 रुपये निकाली थी। इस राशि में 100-100 रुपये की 5 गड्डियां थीं (जिसमें एक गड्डी में 1000 रुपये कम थे)। पैसे निकालने के बाद उन्होंने अपनी मोटर साइकिल की डिक्की में नगदी और पासबुक सुरक्षित रख दी थी। जनपद पंचायत के सामने हुई वारदात दुर्गेश टंडन कार्यालयीन काम के सिलसिले में जनपद पंचायत सारंगढ़ पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक जनपद कार्यालय के सामने स्थित 'कृष्णा देवांगन फोटोकॉपी' दुकान के पास खड़ी की थी और डिक्की लॉक कर दी थी। दोपहर करीब 1:00 से 2:00 बजे के बीच, जब वे काम में व्यस्त थे, अज्ञात चोरों ने डिक्की का लॉक तोड़कर उसमें रखे पूरे पैसे और पासबुक चोरी कर लिए। ?जब दुर्गेश वापस लौटे और डिक्की चेक की, तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने आसपास के लोगों से पूछताछ की और काफी खोजबीन की, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिल सका।

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

पीड़ित की शिकायत पर सिटी कोतवाली थाना सारंगढ़ ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

स्कूल परिसर से पेड़ों की कटाई पर उठे सवाल, ऋक्षढ्ढ में रिकॉर्ड गायब—जांच की मांग तेज

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सरिया क्षेत्र स्थित शासकीय विद्यालय परिसर से सागौन पेड़ों की कथित कटाई और उससे जुड़े अभिलेखों के अभाव का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। सूचना का अधिकार (ऋक्षढ्ढ) के तहत मांगी गई जानकारी में चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं, जिसके बाद पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 04 सरिया निवासी जयप्रकाश सोनी ने सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला जलगढ़/सरिया परिसर में पेड़ों की कटाई को लेकर जानकारी मांगी थी। आवेदन में यह जानना चाहा गया था कि पेड़ों की कटाई किस आदेश के तहत की गई, संबंधित अनुमति, पंचनामा, अभिलेख तथा लकड़ी के निस्तारण का विवरण क्या है।

ऋक्षढ्ढ के जवाब में विद्यालय और संबंधित कार्यालयों द्वारा यह बताया गया कि इस संबंध में कोई रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। यहां तक कि उच्च कार्यालय में भी इस मामले की कोई सूचना दर्ज नहीं होने की बात कही गई है। जवाब में यह भी उल्लेख किया गया कि पेड़ों की कटाई या चोरी के संबंध में किसी प्रकार की शिकायत या सूचना प्राप्त नहीं हुई।

गंभीर सवाल खड़े

इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि विद्यालय परिसर में पेड़ों की कटाई हुई, तो बिना अनुमति यह कार्य कैसे हुआ? यदि ग्राम पंचायत द्वारा यह कार्य कराया गया, तो विद्यालय प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई? वहीं, किसी भी प्रकार का रिकॉर्ड, अनुमति या पंचनामा उपलब्ध नहीं होना पूरे मामले को संदिग्ध बनाता है।

जांच और कार्रवाई की मांग

आवेदक ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी मांग की है कि— ग्राम पंचायत, विद्यालय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच हो,पेड़ों की कटाई की अनुमति, संख्या और लकड़ी के निस्तारण का पूरा लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाए,दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफसख्त कानूनी कार्रवाई की जाए,भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं,इस मामले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर विषय पर क्या कदम उठाता है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ी पहल

जिले को मिलीं 6 संजीवनी 108 एम्बुलेंस

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य विभाग, जिला बेमेतरा को 6 नई संजीवनी 108 एम्बुलेंस प्राप्त हुई हैं, जिससे आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं और अधिक प्रभावी एवं सुलभ हो सकेंगी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में एम्बुलेंसों को दिखाई हरी झंडी

प्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा 31 मार्च को 300 बेसिक लाइफसपोर्ट एवं 70 एडवांस्ड लाइफसपोर्ट संजीवनी एक्सप्रेस 108 एम्बुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। इसी क्रम में बेमेतरा जिले को 6 एम्बुलेंस प्राप्त हुई हैं, जिनमें 2 एडवांस्ड लाइफसपोर्ट (ऋस्) एवं 4 बेसिक लाइफसपोर्ट एम्बुलेंस शामिल हैं।

जिला चिकित्सालय बेमेतरा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साजा में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू एवं साजा विधायक ईश्वर साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर एम्बुलेंसों को रवाना किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, पार्षद नीतू कोठारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आपातकालीन सेवाओं को मिलेगा मजबूती, मरीजों को होगी सुविधा

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इन एम्बुलेंसों के माध्यम से गंभीर एवं आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। साथ ही मरीजों को शीघ्र नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी, जिससे जिले की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सशक्त बनेंगी।

जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में होगी तैनाती

इन एम्बुलेंसों की सुव्यवस्थित तैनाती की गई है, एडवांस्ड लाइफसपोर्ट एम्बुलेंस जिला चिकित्सालय बेमेतरा में उपलब्ध रहेंगी, बेसिक लाइफसपोर्ट एम्बुलेंस सीएचसी साजा, बेरला, नवागढ़ एवं नांदघाट में तैनात रहेंगी, इससे शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में आपातकालीन सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी।

उन्नत चिकित्सा उपकरणों से लैस होंगी एम्बुलेंस

नई एम्बुलेंसों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें शामिल हैं, बीपी मॉनिटर, पल्स ऑक्सीमीटर, ईसीजी मॉनिटर, ग्लूकोमीटर, ऑक्सीजन सपोर्ट एवं नेबुलाइजेशन सुविधा, पोर्टेबल वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर, सिरिंज पंप, लैरिंजोस्कोप इन सुविधाओं के माध्यम से मरीजों को मौके पर ही प्राथमिक एवं उन्नत उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में आएगा सकारात्मक बदलाव

यह पहल जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, त्वरित एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। इससे नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में बेहतर और समयबद्ध चिकित्सा सहायता मिल सकेगी।

चूना पत्थर खदान ई-नीलामी का विरोध पड़ा महंगा

ज्ञापन सौंपने पहुंचे ग्रामीणों पर एफआईआर दर्ज, सोशल मीडिया पर फूटा आक्रोश

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के नवगठित जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़ में प्रस्तावित चूना पत्थर खदान की ई-नीलामी का विरोध अब कानूनी पचड़ों और विवादों में घिर गया है। खदान के टेंडर को निरस्त करने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट का घेराव करने पहुंचे हजारों ग्रामीणों के खिलाफ पुलिस ने नामजद प्राथमिकी (स्नढ्ढक्र) दर्ज की है। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और सोशल मीडिया पर सरकार व स्थानीय प्रशासन के खिलाफआक्रोश देखा जा रहा है।

बीते 1 अप्रैल को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला मुख्यालय में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब प्रस्तावित खदान से प्रभावित होने वाले दर्जनों गांवों के हजारों ग्रामीण सड़कों पर उतर आए। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान खुलने से न केवल उनकी कृषि भूमि छिन जाएगी, बल्कि पर्यावरण और जनजीवन पर भी गहरा बुरा असर पड़ेगा।

?अपनी मांगों को लेकर ग्रामीण 'चलो कलेक्ट्रेट' का नारा देते हुए भारी संख्या में मुख्यालय पहुंचे थे। ग्रामीणों की मंशा कलेक्टर को सीधे ज्ञापन सौंपने की थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय से काफी पहले ही बैरिकेड्स लगाकर उन्हें रोक दिया। काफी देर तक चले हंगामे के बाद, तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से ज्ञापन लिया और उन्हें शांत कराया।

पुलिस की कार्रवाई और ?ज्ञापन सौंपने के बाद ग्रामीण अपने गांवों की ओर लौट गए, लेकिन इसके कुछ ही घंटों बाद पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान नियमों के उल्लंघन और बाधा उत्पन्न करने के आरोप में कई प्रदर्शनकारियों और आंदोलन के प्रमुख चेहरों पर नामजद एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस का कहना है कि बेरिकेट तोड़ कर कलेक्टर कार्यालय प्रवेश करने व उल्लंघन और शांति भंग करने की कोशिशों के कारण यह विधिक कार्रवाई की गई है।

सोशल मीडिया पर आक्रोश की लहर

एफआईआर की खबर जैसे ही सार्वजनिक हुई, फेसबुक, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। स्थानीय युवाओं और प्रभावित ग्रामीणों ने इसे 'लोकतंत्र की हत्या' और 'आवाज दबाने की कोशिश' करार दिया है। सोशल मीडिया पर लोग शासन-प्रशासन के खिलाफतीखी टिप्पणियां कर रहे हैं, जिससे यह मामला अब राजनीतिक रंग भी लेने लगा है।

ग्रामीणों का रुख

प्रभावित ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन खदान के लिए नहीं देंगे। हम शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात कहने आए थे, लेकिन प्रशासन ने हमें अपराधी बना दिया। यह लड़ाई अब और तेज होगी,

दुकानदारों को अंतिम चेतावनी, सड़क व नाली पर सामान रखने पर होगी जब्ती कार्रवाई

मुख्य बाजारों में अतिक्रमण पर निगम की सख्ती

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में इंदिरा मार्केट, पटवा लाइन सहित अन्य प्रमुख बाजार क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर कुमार के नेतृत्व में निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा बाजार क्षेत्र का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अनेक दुकानदारों द्वारा अपने दुकान का सामान दुकान के बाहर नाली के ऊपर एवं सड़कों पर अव्यवस्थित रूप से रखे जाने की स्थिति पाई गई, जिससे आम नागरिकों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। निगम प्रशासन द्वारा सभी संबंधित दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे अपना समस्त सामान अपने-अपने दुकानों के अंदर ही रखें तथा किसी भी प्रकार से सड़क, नाली अथवा सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें। साथ ही दुकान के बाहर अनधिकृत रूप से साइन बोर्ड लगाने पर भी प्रतिबंध लगाने की बात कही गई। अतिक्रमण अधिकारी ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि यदि आगामी निरीक्षण के दौरान किसी भी दुकान का सामान सड़क या नाली पर रखा हुआ पाया जाता है, तो संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध जब्ती की कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम दुर्ग द्वारा यह अभियान शहर में सुगम यातायात, स्वच्छता व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार जारी रहेगा।

मदकू द्वीप में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया 36वां हनुमान जन्मोत्सव, भजनों की स्वर से गुंजायमान हुआ द्वीप

बिलासपुर/सरगांव। मांडूक्य ऋषि की तपस्थली श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू में 36वां हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। पिछले 35 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे इस धार्मिक आयोजन में इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संत श्री रामरूप दास महात्यागी ने अपने उद्बोधन में हनुमान जी के व्यक्तित्व को आधुनिक प्रबंधन के दृष्टिकोण से व्याख्यायित करते हुए कहा कि हनुमान जी विश्व के प्रथम मैनेजमेंट गुरु हैं। उन्होंने बताया कि हनुमान जी केवल शक्ति और भक्ति के प्रतीक ही नहीं, बल्कि उत्कृष्ट नेतृत्व, समय प्रबंधन, निर्णय क्षमता और संकट समाधान के आदर्श उदाहरण भी हैं।

उन्होंने कहा कि जब भगवान श्रीराम ने उन्हें माता सीता की खोज का दायित्व सौंपा, तब हनुमान जी ने लक्ष्य को स्पष्ट रूप से समझकर पूरी निष्ठा के साथ कार्य किया, जो लक्ष्य निर्धारण और उसके प्रति समर्पण का सर्वोत्तम उदाहरण है। अशोक वाटिका में परिस्थितियों के अनुसार त्वरित निर्णय लेना, लंका दहन करना तथा समय पर लौटकर समस्त जानकारी देना उनकी प्रभावी संवाद क्षमता और निर्णय कौशल को दर्शाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके पश्चात सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया, जिससे संपूर्ण द्वीप परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया। बजरंगबली के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा और श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत बुंदेलखंड की प्रसिद्ध लोक भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान सुप्रसिद्ध कलाकार दीपक द्विवेदी (लहर) एवं कमला राजपूत (नादान) ने अपने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भरपूर सराहना की। बुंदेलखंडी लोक संस्कृति की इस अनूठी छटा ने आयोजन में विशेष आकर्षण जोड़ा।

कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली शिवनाथ नदी की पारंपरिक नौका दौड़ प्रतियोगिता इस वर्ष भी पर्याप्त जल स्तर के अभाव में नहीं हो सकी, जिससे श्रद्धालुओं में हल्की निराशा देखने को मिली।

श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप सेवा समिति एवं श्री राधाकृष्ण मंदिर सेवा समिति मदकू के द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में संत श्री रामरूप दास महात्यागी, गुरदास मल हुरा, जीवन लाल कौशिक, राममनोहर दुबे, प्रदीप शुक्ला, ललित सिंह ठाकुर, भगवती प्रसाद मिश्र, मनीष अग्रवाल, अनिल वर्मा, प्रमोद दुबे, विजय सिंह, मनीष मिश्रा , रवींद्र शर्मा (भाटापारा), परस साहू,फेरहा राम साहू, संजय सिंह, कमलेश अग्रवाल, गोपाल जुनेजा, नेतराम सोनवानी सहित आसपास के गांवों से आए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस भव्य आयोजन ने एक बार फिर मदकू द्वीप की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता को सशक्त रूप से उजागर किया।

Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

संक्षिप्त समाचार

ईरान युद्ध के बीच अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख रैंडी जॉर्ज को हटाया

वाशिंगटन। ईरान युद्ध के बीच अमेरिका के युद्ध मंत्री (पूर्व में रक्षा मंत्री) पीट हेगसेथ ने बड़ा और चौंकाने वाला फैसला लेते हुए सेना प्रमुख रैंडी जॉर्ज को पद छोड़ने के लिए कह दिया है। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने सोशल मीडिया पर कहा कि जॉर्ज सेना के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ के पद से तत्काल प्रभाव से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। हेगसेथ पद ऐसा व्यक्ति को चाहते हैं जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दृष्टिकोण को लागू कर सके। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध विभाग ने सेना के दो अन्य अधिकारियों को भी उनके पदों से हटा दिया है, जिसमें जनरल डेविड होडने और मेजर जनरल विलियम ग्रीन शामिल हैं। होडने सेना के परिवर्तन और प्रशिक्षण कमान के प्रमुख थे और ग्रीन सेना के चैपलिन कोर के प्रमुख थे।

सूत्रों ने सबसे पहले इसकी पुष्टि की थी। फिलहाल, सेना के उप-चीफ ऑफ स्टाफ, जनरल क्रिस्टोफर लानेव, जॉर्ज की जगह लेंगे। वह पूर्व में हेगसेथ के सैन्य सहायक थे। सेना के सबसे वरिष्ठ जनरल जॉर्ज को 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन ने सेना का चीफ ऑफ स्टाफ बनाया था। उससे पहले वे उप-अधिकारी थे। सेना प्रमुख पद 4 साल के लिए होता है। बाइडेन प्रशासन के दौरान जॉर्ज ने 2021 से 2022 तक रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन के वरिष्ठ सैन्य सहायक के रूप में कार्य किया था। अनुभवी पैदल सेना अधिकारी और वेस्ट प्वाइंट से स्नातक जॉर्ज ने प्रथम खाड़ी युद्ध, इराक-अफगानिस्तान संघर्षों में अपनी सेवाएं दीं हैं।

जन विश्वास विधेयक से 717 अपराधों में सजा खत्म, किन मामलों में नहीं होगी जेल?

नईदिल्ली। जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 गुरुवार को संसद से पारित हो गया है। इस कानून का उद्देश्य छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर व्यापारिक माहौल को बेहतर बनाना और कई क्षेत्रों में अनुपालन को व्यवस्थित करना है। यह विधेयक 1 अप्रैल को लोकसभा और 2 अप्रैल को राज्यसभा से पारित हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये विधेयक विश्वास पर आधारित ढांचे को मजबूत करता है। आइए विधेयक की बड़ी बातें जानते हैं।

विधेयक में 23 मंत्रालयों के 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव है। इनमें से 717 प्रावधानों को व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए अपराध की श्रेणी से बाहर किया जा रहा है। बाकी 67 ऐसे संशोधन किए गए हैं, जिनका लक्ष्य जीवन सुगमता को बेहतर बनाना है। इसमें कोयला, वाणिज्य एवं उद्योग, शिपिंग, शहरी विकास और परिवहन सहित 23 मंत्रालयों से जुड़े कानून शामिल हैं।

विधेयक की सबसे अहम बात है कि इसमें कई अपराधों के लिए कारावास के प्रावधानों को जुर्माने से बदला गया है। उदाहरण के लिए औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 के तहत, सौंदर्य प्रसाधनों के निर्माण या बिक्री से संबंधित उल्लंघनों के लिए पहले एक साल की जेल, 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। अब इसे एक लाख रुपये के जुर्माने या जब्त किए गए माल के मूल्य के 3 गुना से बदला गया है। अब तक सड़कों पर पेशाब करना या गंदगी फैलाना एक क्रिमिनल ऑफिंस था, जिसमें 50 रुपये का जुर्माना लगता था। अब ये अपराध दंडनीय कहा जाएगा और जुर्माना 500 रुपये लगेगा। पुलिस अब इसके लिए बिना वारंट गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। मेट्रो ट्रेन या स्टेशन पर सिगरेट पीना पहले एक आपराधिक मामला था। अब यह दीवानी उल्लंघन होगा। ऐसा करने पर 2,000 रुपये का जुर्माना लगेगा और यात्री का टिकट जब्त कर लिया जाएगा।

ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता रिन्यू कराने में देरी अपराध के दायरे से बाहर होगी। अब ड्राइविंग लाइसेंस वैधता खत्म होने के बाद 30 दिन तक वैध रहेगा। अभी तक बिना बीमे के वाहन चलाने पर 3 महीने की जेल या 2,000 रुपये जुर्माने का प्रावधान था। अब जेल की सजा नहीं होगी। अब बेस इंश्योरेंस प्रीमियम का 3 गुना या 5,000 रुपये (जो ज्यादा हो) जुर्माना लगेगा। दोबारा पकड़े जाने पर प्रीमियम का 5 गुना या 10,000 रुपये देना होंगे।

तमिलनाडु चुनाव के लिए भाजपा ने 27 उम्मीदवारों के नाम जारी किए; अन्नामलाई गायब, तमिलिसाई लड़ेंगी

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने शुक्रवार को अपने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। हैरानी वाली बात ये है कि पार्टी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई को टिकट नहीं दिया है, जबकि केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदराजन को उतारा गया है। अन्नामलाई को टिकट न देने के पीछे अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) का विरोध बताया जा रहा है, जिसका अन्नामलाई से 36 का आंकड़ा है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026

कर्नाटक बना ओवरऑल चैंपियन, मेजबान छत्तीसगढ़ नौवें स्थान

कर्नाटक ने 23 स्वर्ण पदकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि ओडिशा और झारखंड क्रमशः 21 और 16 स्वर्ण के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे

रायपुर (समय दर्शन)। पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन झारखंड की कोमालिका बारी ने अपने मिक्स्ड टीम खिताब के बाद महिला रिकर्व तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीता, जबकि ओडिशा के अर्जुन खारा ने पुरुष रिकर्व वर्ग में स्वर्ण अपने नाम किया। हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद अंतिम दिन कर्नाटक को पदक तालिका के शीर्ष स्थान से हटाया नहीं जा सका और वह उद्घाटन खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में शीर्ष पर बना रहा। मेजबान छत्तीसगढ़ ने भी जनजातीय समुदाय की खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 10 रजत और 6 कांस्य पदक जीतकर नौवां स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ का आखिरी पदक पुरुष फुटबॉल में रजत के रूप में आया, जब वे फाइनल में पश्चिम बंगाल से 0-1 से हार गए।

इस उद्घाटन संस्करण में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भाग लिया, जिसमें लगभग 3,800 खिलाड़ियों ने नौ खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा की। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर थे, जबकि मल्लखंभ और कबड्डी जैसे पारंपरिक खेल प्रदर्शन (डेमोंस्ट्रेशन) खेलों के रूप में शामिल थे।

इन 106 स्वर्ण पदकों में से कर्नाटक ने 23 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। ओडिशा 21 स्वर्ण, 15 रजत और 21 कांस्य पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और 57 पदकों के साथ 50 से अधिक पदक जीतने वाला एकमात्र दल बना। झारखंड 16 स्वर्ण, 8 रजत और 11 कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

ओवरऑल चैंपियन कर्नाटक ने पहले ही दिन से पदक तालिका में बढ़त बना ली थी, खासकर तैराकी में दबदबा बनाते हुए उन्होंने 15 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक जीते। इसके अलावा एथलेटिक्स में 5 और कुश्ती में 3 स्वर्ण पदक जोड़कर उन्होंने सुनिश्चित किया कि ओडिशा और झारखंड उनसे आगे न निकल सकें।

कर्नाटक के मणिकांत एल 8 स्वर्ण और 1 रजत पदक के साथ खेलों के सबसे सफल खिलाड़ी रहे, जबकि उनके साथी धोनिश एन ने तैराकी में 5 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीते। महिला वर्ग में ओडिशा की तैराक अंजलि मुंडा ने 5 स्वर्ण पदक जीते, जबकि कर्नाटक की मेघांजलि ने 4 स्वर्ण और 2 कांस्य पदक अपने नाम किए।

ओडिशा एकमात्र ऐसा दल रहा जिसने सभी छह खेल विधाओं में कम से कम एक स्वर्ण पदक जीता, जिसमें एथलेटिक्स में 8 और तैराकी में 7 स्वर्ण शामिल हैं। दूसरी ओर, झारखंड ने एथलेटिक्स में 9, कुश्ती में 4 और तीरंदाजी में 3 स्वर्ण पदक जीते, साथ ही बाकी तीन विधाओं में भी कम से कम एक पदक हासिल किया।

फुटबॉल के अलावा, अंतिम दिन तीरंदाजी में चार स्वर्ण पदक दांव पर थे और यह स्पष्ट था कि ओडिशा, जो अंतिम से पहले दिन की प्रतियोगिताओं के बाद कर्नाटक से तीन स्वर्ण पदकों से पीछे था, अब शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर सकता क्योंकि वह तीरंदाजी में अधिकतम दो ही स्वर्ण जीत सकता था। अर्जुन खारा ने पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में अपने ही राज्य के सोमनाथ हेम्ब्रम को फाइनल में हराकर एक स्वर्ण पदक जीता, लेकिन पुरुष टीम फाइनल में ओडिशा को झारखंड के खिलाफ 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

आरपीएससी एसआई परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, सिर्फ याचिकाकर्ता को ही मिलेगी राहत, अन्य लोगों को नहीं मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरपीएससी एसआई परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली बेंच ने RPSC SI भर्ती मामले में अपने 2 अप्रैल के आदेश में बदलाव किया है। बेंच ने राहत सिर्फ याचिकाकर्ता सूरज मल मीणा तक सीमित कर दी है और उन लगभग 95,400 उम्मीदवारों को इस राहत से बाहर कर दिया है जो पहले इस दायरे में आते थे। बेंच ने अपने पिछले आदेश के पैरा 5 और 6 को हटा दिया है। इन पैरा में याचिकाकर्ता जैसे अन्य उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठने की अंतरिम अनुमति दी गई थी।

जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिए अपने आदेश में बदलाव किया है। इस आदेश के तहत कोर्ट ने करीब 2.21 लाख उम्मीदवारों को राहत देते हुए उन्हें राजस्थान सब-इंस्पेक्टर (एसआई)/प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा 2025 में अस्थायी तौर पर शामिल होने की अनुमति दी थी। पिछला आदेश सूरज मल मीणा नाम के एक उम्मीदवार की याचिका पर दिया गया था। सूरज मल मीणा ने यह कहते हुए परीक्षा को कम से कम चार हफ्ते के लिए टालने की मांग की थी कि वह परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे। शुक्रवार को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की विशेष पीठ ने राजस्थान लोक सेवा आयोग की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए पिछले आदेश में बदलाव किया। आयोग ने अपनी याचिका में कहा था कि उसके लिए परीक्षा में इतने ज़्यादा उम्मीदवारों को शामिल करना संभव नहीं है। इसके चलते, कोर्ट ने यह राहत सिर्फ़ मूल याचिकाकर्ता सूरज मल मीणा तक ही सीमित रखी, और अन्य उम्मीदवारों को यह राहत नहीं दी।

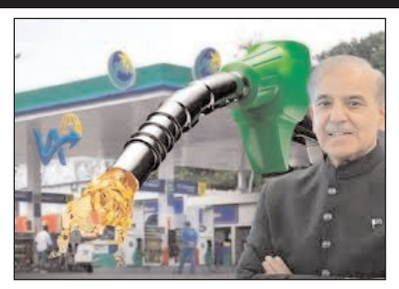

पाकिस्तान में डीजल 55 और पेट्रोल 43 प्रतिशत महंगा

डीजल 184 महंगा होकर 520, पेट्रोल 137 बढ़कर 458 रुपया/लीटर हुआ; ईरान जंग का असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में केरोसिन के दाम भी 34.08 बढ़ाकर 457.80 रुपया प्रति लीटर कर दिए हैं।

पाकिस्तान में डीजल-पेट्रोल सबसे ज्यादा महंगा हो गया है। एक लीटर पेट्रोल 458 और डीजल 520 रुपया (पाकिस्तानी रुपया) के पार पहुंच गया है। सरकार ने पेट्रोल में 43% और हाई-स्पीड डीजल के दाम में 55% का इजाफा किया है। यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद लिया गया है। नई दरें गुरुवार आधी रात से लागू हो गई हैं।

पाकिस्तान में पेट्रोल 137.23 बढ़कर 458.41 और डीजल 184.49 बढ़कर 520.35 रुपया प्रति लीटर पर पहुंच गया। केरोसिन के दाम भी 34.08 रुपया बढ़ाकर 457.80 रुपया प्रति लीटर कर दिए हैं।पिछले महीने पेट्रोल-डीजल 55 रुपया महंगा हुआ था। तब पेट्रोल 321.17 और डीजल 335.86 रुपया था। पाकिस्तान के 1 रुपया की वैल्यू भारत के 33 पैसे बराबर होती है। यानी भारत के 100 रुपए की वैल्यू पाकिस्तान में करीब 300 रुपया के बराबर है।

कीमतों में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार ने पेट्रोलियम टैक्स दरों में भी बदलाव किया है। पेट्रोल पर टैक्स को 105 से बढ़ाकर 160 रुपया प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं डीजल की कीमतों में बहुत ज्यादा उछाल न आए, इसलिए इस पर टैक्स को 55 रुपया से घटाकर शून्य कर दिया गया है।

पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने इस फैसले को मुश्किल फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल मार्केट की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाना जरूरी था।

सरकार का मुख्य उद्देश्य वित्तीय अनुशासन बनाए रखना और आर्थिक स्थिरता को बचाना है। मलिक के अनुसार, सरकार अब सब्सिडी केवल उन्हीं वर्गों को देगी जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

मुख्य इमाम उमर इलियासी का बड़ा बयान- पीओके की होगी घर वापसी; जल्द तिरंगे तले आएंगे वहां के लोग

श्रीनगर(एजेंसी)। ऑल इंडिया इमाम संगठन के प्रमुख डॉक्टर उमर अहमद इलियासी ने एक बड़ा बयान दिया है। कश्मीर घाटी के दौरे पर पहुंचे मुख्य इमाम इलियासी ने दावा किया कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) बहुत जल्द भारत का हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को पीओके की 'घर वापसी' बताया है। श्रीनगर में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए मुख्य इमाम इलियासी ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का एक अटूट अंग है। उन्होंने कहा कि वह दिन अब दूर नहीं जब यह फिर से भारत में शामिल हो जाएगा। इलियासी ने कहा कि आज वहां के हालात बेहद खराब हैं और वहां रहने वाले लोग खुद भारत के साथ आने को बेताब हैं। डॉक्टर इलियासी ने दावा किया कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग अब घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां के नागरिक खुद चाहते हैं कि एक जनमत संग्रह कराया जाए, जिससे वे खुलकर अपनी आवाज बुलंद कर सकें। इलियासी ने दावा किया कि वहां के लोग भारत में शामिल होने की अपनी इच्छा को पूरी दुनिया के सामने रखना चाहते हैं।

पश्चिम बंगाल में मालदा हिंसा का मुख्य आरोपी अरेस्ट :एयरपोर्ट से पकड़ाया

भागने की फिराक में था; अब तक 35 गिरफ्तारी, एनआईए जांच शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। यह विजुअल मुख्य आरोपी मोफक्करुल इस्लाम के भाषण देने का है। पुलिस के मुताबिक इसके बाद लोग भड़क गए और बीडीओ ऑफिस का घेराव कर लिया।

पश्चिम बंगाल के मालदा में SIR से जुड़े न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में मुख्य आरोपी समेत 35 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के 48 घंटे के अंदर पुलिस ने आरोपी मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा एयरपोर्ट से पकड़ा। वह बेंगलुरु भागने की फिराक में था।

इस्लाम कलकत्ता हाईकोर्ट में वकील है। वह 2011 में AIMIM का उम्मीदवार रह चुका है। मोफक्करुल पर आरोप है कि मालदा के सुजापुर में 1 अप्रैल को SIR में नाम कटने के विरोध प्रदर्शन में भड़काऊ भाषण दिया।

इससे लोग भड़क गए और हजारों लोगों ने कलियाचक के BDO ऑफिस को घेर लिया। दो गेट बंद कर दिए गए, जिससे 7 न्यायिक अधिकारी 9 घंटे ऑफिस के अंदर बंधक रहे। देर रात 1 बजे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारी सुरक्षाबल की मौजूदगी में अफसरों को बाहर निकाला गया था।

उधर, सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इलेक्शन कमीशन ने इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को सौंप दी है। एक टीम मालदा पहुंच चुकी है।

गुरुवार को मालदा घटना से जुड़ी करीब 18 आरोपियों को अरेस्ट किया गया था। अब तक कुल 35 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

मालदा बंधक मामले की जांच NIA की डीआईजी सोनिया सिंह कर रही हैं। वह सुबह करीब 10 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचीं, जिसके बाद सीधे मालदा के लिए रवाना हो गईं। वह कलियाचक थाने भी जा सकती हैं और घटनास्थल का दौरा करने की संभावना है। वहां से सैंपल इकट्ठा किए जा सकते हैं। इसके अलावा, 7 न्यायिक अधिकारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। प्रारंभिक जांच के बाद ही NIA इस मामले में केस दर्ज करेगी। इसके बाद गिरफ्तार आरोपियों को NIA अपनी हिरासत में ले सकती है। EC ने पश्चिम बंगाल में सुरक्षा को लेकर सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF) की 500 कंपनियां तैनात करने का आदेश दिया।

एक अप्रैल को प्रदर्शनकारियों ने 7 न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया था। जब उन्हें पुलिस ने बाहर निकाला तो रास्ता रोकने की कोशिश की गई।

मालदा में विरोध प्रदर्शन दिन में पहले कालियाचक 2 ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिस के बाहर शुरू हुआ था। जो देर रात तक जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने शुरू में न्यायिक अधिकारियों से मिलने की मांग की थी। अंदर जाने की परमिशन न मिलने पर, उन्होंने शाम करीब 4 बजे प्रदर्शन शुरू कर दिया और परिसर का घेराव कर लिया। अधिकारियों को 9 घंटे से ज्यादा समय तक बंधक बनाकर रखा गया था।

यह भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक -रक्षा मंत्री

स्वदेशी परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन और युद्धपोत आईएनएस तारागिरी भारतीय नौसेना में शामिल

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। सुपरसोनिक मिसाइल समेत कई अन्य अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया गया है। इसके अलावा परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को भी इंडियन नेवी में शामिल किया गया। विशाखापत्तनम में आयोजित एक समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और नौसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज अत्याधुनिक युद्धपोत तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल किया जा रहा है। तारागिरी का कमीशनिंग भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड और भारतीय नौसेना सहित सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारा देश अपने विकास को समुद्र से अलग करके नहीं देख सकता। हमारा लगभग 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा भी समुद्र पर निर्भर करती है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना हमारे लिए कोई विकल्प नहीं बल्कि एक ज़रूरत है।

यह युद्धपोत मेड इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत तैयार किया गया है। यह 6,670 टन का मेक इन इंडिया की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। अधिकारियों ने बताया कि 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से बना यह युद्धपोत घरेलू औद्योगिक तंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है।

नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का चौथा जहाज और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरा जहाज तारागिरी पिछले साल 28 नवंबर को एमडीएल, मुंबई में नौसेना को सौंप दिया गया था। तारागिरी डीजल या गैस (सीओडीओजी) द्वारा संचालित किया जा सकेगा। युद्धपोत का हथियार भंडार विश्व स्तरीय है।

तारागिरी में सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइलें, सतह से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली हैं। ये प्रणालियां अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से निर्बाध रूप से एकीकृत हैं जिससे चालक दल पलक झपकते ही खतरों का जवाब दे सकता है। नौसेना ने कहा कि इसका आकार अधिक सुव्यवस्थित है और इसमें कम रडार क्रॉस-सेक्शन है, जिससे यह घातक स्टील्थ (छिपकर वार करने की क्षमता) के साथ काम कर सकता है। इसे मानवीय संकटों की जटिलताओं से निपटने के लिए भी बनाया गया है।

कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन से हमला, आग लगी

कुवैत। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच शुक्रवार को कुवैत की राष्ट्रीय तेल कंपनी के स्वामित्व वाली एक रिफाइनरी पर ड्रोन हमला हुआ, जिससे उसकी कई इकाईयों में आग लग गई। कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने बताया कि आज सुबह तड़के मीना अल-अहमदी रिफाइनरी को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया, जिसके बाद कई चालू इकाइयों में आग लग गई। आपातकालीन टीमें आग पर काबू पाने के लिए काम कर रही हैं।

कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने बताया कि ड्रोन हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। आग से कितना नुकसान हुआ है, इसका आकलन किया जा रहा है। हमले को लेकर अभी ईरान की ओर से कोई बयान नहीं आया है। बता दें कि इससे पहले 20 मार्च को भी इस रिफाइनरी पर कई ड्रोन से हमला हुआ था, उस समय की प्रारंभिक रिपोर्टों में भी पुष्टि हुई थी कि किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं थी।

एयरलाइंस के आगे फिर झुकी सरकार? विमानों में 60 प्रतिशत निशुल्क सीट देने का फैसला वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने पिछले महीने हवाई यात्रा करने वालों को बड़ी राहत देते हुए विमानों में अपनी पसंद की सीट चयन पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क को हटा दिया था, लेकिन अब उसने यह फैसला वापस ले लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन महानिदेशक को लिखे 2 अप्रैल के पत्र में कहा कि व्यापक जांच होने तक इस प्रावधान को अगले आदेश तक स्थगित रखा जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि उसने यह फैसला फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) और अकासा एयर की आपत्तियों के बाद लिया है। उन्होंने किराया संरचना पर नियम के प्रभाव और अनियंत्रित किराया व्यवस्था के साथ इसकी असंगति पर सवाल उठाए थे। एफआईए ने 19 मार्च को पत्र लिखकर चेतावनी दी कि एयरलाइंस किराए में वृद्धि करके अतिरिक्त आय की भरपाई कर लेंगी। एफआईए ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले का हवाला देकर आदेश को डीजीसीए अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया।

मंत्रालय ने 17 मार्च को आदेश जारी कर सभी एयरलाइन संचालकों को कहा था कि किसी भी उड़ान में कम से कम 60 प्रतिशत सीटें निशुल्क चयन के लिए आवंटित की जाएं। इसके बाद पसंद की सीटों पर अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। साथ ही, मंत्रालय ने एयरलाइंस को एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को एक साथ बैठाने का निर्देश दिया था। फैसले से परिवार के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिली थी।

मौजूदा समय में भारतीय एयरलाइंस वेब चेक-इन के दौरान सीट चयन के लिए अतिरिक्त शुल्क लेती हैं। आमतौर पर उड़ानों में केवल 5 से 15 प्रतिशत सीटें ही बिना अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध होती हैं। विमान के आगे की ओर और खिड़की वाली सीटें आमतौर पर अधिक महंगी होती हैं।

संपादकीय

अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित

जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है। अमेरिका का अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) वैसे तो पिछले कई वर्ष भारत को 'विशेष चिंता की श्रेणी वाले देशों' की सूची में डालने की सिफारिश करता रहा है, लेकिन इस वर्ष वह कुछ ज्यादा आगे बढ़ गया है। उसने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ-साथ भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर भी प्रतिबंध लगाने की सिपारिश कर दी है। अनुमान लगाया जा सकता है कि पहले की तरह ही इस वर्ष भी अमेरिका सरकार इस सिफारिश को नजरअंदाज कर देगी। इसके बावजूद भारत को अमेरिका में उभरे ऐसे रुझानों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसलिए कि अमेरिका में प्रशासन चाहे किसी पार्टी का हो, ऐसी रिपोर्टों का इस्तेमाल वह अपने रणनीतिक एवं अन्य हितों को साधने के लिए करता है। धार्मिक स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानव अधिकार आदि जैसे ऊंचे आदर्श अमेरिका के लिए डंडे की तरह हैं, जिनका उपयोग वह अपने मन-माफिक ना चलने वाले देशों पर दबाव बनाने के लिए करता आया है। इस रूप में यूएससीआईआरएफ जैसी उसकी संस्थाएं एक ऐसा हथकंडा हैं, जो दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल के लिए अपनी सरकार को उसूल का आवरण प्रदान करती हैं। जिस दौर में ये शिकायत पहले से है कि कुछ कानूनी एवं अन्य विवादित मसलों का इस्तेमाल व्यापार एवं विदेश नीति में भारत सरकार को झुकाने के लिए किया गया है, ताजा रिपोर्ट डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का एक और हथियार बन सकती है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट को पूर्वाग्रह-ग्रस्त और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है, मगर यह विरोध की रस्म-अदायगी भर है। भारतीय हितों के लिहाज से रॉ को विवाद में लाने के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए इस बारे में भारत को अमेरिका के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराना चाहिए। यह कहने का तात्पर्य ये नहीं है कि जिन संगठनों को यूएससीआईआरएफ को निशाना बनाया है, उसके साथ कोई समस्या नहीं है। मगर जो भी है, वह भारत के अंदर की बात है। वह भारत सरकार के सामने मौजूद मुद्दा है। इसका समाधान यहीं निकलेगा। अत: अमेरिकी संस्थाओं का भारत पर प्रतिबंध की बात करना अतार्किक एवं दुर्भावना से प्रेरित माना जाएगा।

बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला

हरिशंकर व्यास

आधुनिक समय में 'देशज' हिंदू राजनीति के तीन प्रयोगधर्मी (विचारक?) हुए- गांधी, सावरकर और लोहिया। इन तीनों ने वे सूत्र, वे प्रयोग दिए, जिससे हिंदुओं को भक्ति की तीन नई मूर्तियाँ मिलीं। 1947 के बाद गांधी के नेहरू ने अपने प्रयोग किए। नेहरूवादी पैदा हुए। वही सावरकर के भक्तों ने हवा में लाठी घुमाते हुए भय, भक्ति, भूख की भीड़ बनाना शुरू किया। एक तरफ नेहरूवादी, दूसरी तरफ हिंदुवादी (धर्मनिरपेक्ष बनाम सांप्रदायिक)।

और फिर इन दो धुरियों के बीच अचानक लड़ाकू तेवर के साथ डॉ. राममनोहर लोहिया उभरे। उनके जमीनी सूत्रों-नारों ने समाज में ऐसी हलचल बनाई, जिसके आगे गांधीवादी निरुत्तर थे तो हिंदुवादी भी मात्र हवा में लाठी भांजते थे। लोहिया के ही जुमलों ने वह मंडल-कमंडल बनाया कि समाज छिन्न-भिन्न हुआ। बुद्धि, विवेक सब छोड़ लोग पहचान (जाति, उपजाति, खाप) की भीड़ में कनवर्ट होने लगे। और अंत परिणाम? लोहियावादी भी वैसे ही बेमतलब है जैसे नेहरूवादी, गांधीवादी, मार्क्सवादी, माओवादी आदि भक्त समूहों का विसर्जन है। सवाल है तब 140 करोड़ लोगों का मालिक कौन? सावरकर के वे हिंदुवादी जो लाठी भांजने, हांकने की सौ वर्षों से ट्रेनिंग लेते-लेते डफरों के विश्वगुरू हैं। निश्चित ही इस ट्रेनिंग का प्रतीकमान चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी, जिन्होंने फरवरी 2026 में नई दिल्ली के भारत मंडपम से दुनिया को आह्वान किया कि स्वागत है आप द्वारा बनाई कृत्रिम बुद्धिमत्ता (सौ प्रतिशत अमेरिका या उनकी कंपनियों की मौलिक बुद्धि से निर्मित उत्पाद) का। भारत इसमें अपना भाग्य मानता है। और इस कॉलम को लिखते हुए खबर है कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत को 30 दिन की छूट दी। और अमेरिका की अनुमति प्राप्त हुई नहीं कि भक्त भीड़ का सोशल मीडिया 'अमेरिका से अनुमति' की वाह करते हुए है। मैं तभी ऐसी घड़ी में लोहिया और लोहिया के लोगों की स्मृति में नीतीश कुमार पर सोच रहा हूं। किस मनोदशा के पर्याय हैं नीतीश कुमार? इसलिए क्योंकि लोहिया की देशज राजनीति, जुमलों (या क्रांति) की प्रयोगशाला रहा है बिहार। लोहिया के मंडल चेहरे हों या भगवा चेहरे (सावरकर की सेंट्रल हॉल में तस्वीर के निर्णय के साझेदार जॉर्ज फर्नांडिस से हुकुमदेव नारायण यादव तक), सभी की यानी तमाम तरह के समाजवादियों की कर्मभूमि बिहार रही है। बिहार में कांग्रेस का शासन मुश्किल से चालीस वर्ष रहा। बाकी समय बिहार आइडिया ऑफ लोहिया की प्रयोगशाला रहा। कर्पूरी ठाकुर 1967 में मुख्यमंत्री बने थे। मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर मंडल रिपोर्ट लिखने वाले बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल यहीं चुनाव जीतते रहे हैं। तभी सवाल है कि मंडल रिपोर्ट को लागू कराने की अधिसूचना जारी करवाने वाले शरद यादव, रामविलास पासवान हों या बिहार में 35 वर्षों से उसे लागू कराते लालू यादव, राबड़ी देवी तथा नीतीश कुमार के चेहरों से बिहार कैसा रचा है? ध्यान रहे नीतीश राज ही कोई बीस साल पुराना है। और लोहियावाद की इतनी लंबी देशज राजनीति के आइडिया की कुल बिहार प्राप्ति, उत्पादकता क्या है? एक वाक्य में जवाब है, खंडहर और मजदूर! तभी नीतीश कुमार की रिटायरी के साथ अब दिखलाई दे रहा है कि बिहार हर तरह से लाठीधारी डफर जमात का सुरक्षित गढ़ हो गया है। जबकि इस भूमि से, लोहियावादी विरासत की क्या उम्मीद होनी चाहिए थी? लोग कैसे तैयार होने थे? स्वाभिमानी, स्वदेशी, लड़ाकू-खुराफाती। मगर लोहियावादी बिहार में अब वह आबोहवा है, वह खंडहर है जो पिछले तीस वर्षों से जॉर्ज फर्नांडिस से लेकर नीतीश कुमार के मुंह से कभी भी कहने को भी, स्वदेशी, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार (याद करें कभी जॉर्ज फर्नांडिस ने देसाई सरकार में कोका-कोला, आईबीएम कंपनियों को भारत से खदेड़ा था) के जुमले नहीं सुने गए!

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई खाई

ललित गर्ग

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएँ और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुँच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है।

निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिव-इन रिलेशनशिप को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढाँचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है।

पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वे रिश्तों में स्वतंत्रता, सम्मान, संवाद और समानता को अधिक महत्व देते हैं। रिश्तों में सबसे बड़ा परिवर्तन लिंग भूमिकाओं के बदलाव से भी आया है। पहले पुरुष कमाने वाला और महिला घर संभालने वाली मानी जाती थी, लेकिन आज दोनों काम करते हैं, दोनों निर्णय लेते हैं और दोनों भावनात्मक सहयोग चाहते हैं। आधुनिक रिश्तों में समानता, खुलकर संवाद और साझा जिम्मेदारियों पर जोर है। हालांकि पुरुष और महिलाओं की अपेक्षाएँ पूरी तरह समान नहीं होतीं-अक्सर महिलाएँ भावनात्मक सहयोग और संवाद को अधिक महत्व देती हैं, जबकि पुरुष स्वतंत्रता और बौद्धिक जुड़ाव को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इन अंतरों को समझकर ही मजबूत रिश्ते बनाए जा सकते हैं।

आज आत्म-प्रेम और आत्म-देखभाल को स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार माना जाने लगा है। तकनीक और सोशल मीडिया ने भी रिश्तों की प्रकृति को गहराई से प्रभावित किया है। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम किया है, लेकिन इसके साथ तुलना की संस्कृति भी बढ़ी है। अब लोग अपने रिश्तों की तुलना दूसरों की ऑनलाइन तस्वीरों और पोस्ट से करने लगे हैं, जिससे असंतोष और अवास्तविक अपेक्षाएँ बढ़ती हैं। कई बार डिजिटल दुनिया में मिलने वाला ध्यान वास्तविक रिश्तों की आत्मीयता को कम कर देता है। ऑनलाइन फ्लर्टिंग, डिजिटल बेवफाई और लगातार उपलब्ध रहने की अपेक्षा जैसी नई समस्याएँ भी सामने आई हैं। इसलिए आज डिजिटल सीमाएँ भी उतनी ही आवश्यक हो गई हैं जितनी व्यक्तिगत सीमाएँ।

ऑनलाइन डेटिंग ने रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। जीवनसाथी ढूँढना पहले परिवार, समाज या परिचितों के माध्यम से होता था, लेकिन अब मोबाइल एप और वेबसाइटों के माध्यम से लोग साथी ढूँढते हैं। इससे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन साथ ही रिश्तों की स्थिरता कम हुई है। स्वाइप संस्कृति ने रिश्तों को कई बार उपभोक्ता वस्तु की तरह बना दिया है, जहाँ विकल्प हमेशा खुले रहते हैं और प्रतिबद्धता कठिन हो जाती है। इसके बावजूद, यह भी सत्य है कि कई सफल विवाह और रिश्ते भी ऑनलाइन माध्यम से ही बने हैं। इसलिए समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की मानसिकता में है। आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में रिश्तों को समय देना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। करियर, प्रतिस्पर्धा, आर्थिक दबाव, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ-इन सबके बीच रिश्ते अक्सर प्राथमिकता सूची में नीचे चले जाते हैं। लेकिन यह भी एक सत्य है कि अंततः मनुष्य को भावनात्मक सहारा, अपनापन और संबंधों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए आधुनिक जीवन में रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद, समय, सम्मान और समझ पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच रिश्तों को लेकर दृष्टिकोण में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। पुरानी पीढ़ी स्थायित्व और त्याग को महत्व देती है, जबकि नई पीढ़ी संतुष्टि और स्वतंत्रता को। पुरानी पीढ़ी रिश्ते बचाने के लिए समझौता करती थी, नई पीढ़ी रिश्ते में सम्मान और खुशी नहीं मिलने पर उसे छोड़ने का साहस रखती है। दोनों दृष्टिकोणों में अपनी-अपनी सच्चाई है। इसलिए आवश्यकता पीढ़ियों के संघर्ष की नहीं, बल्कि संवाद और समझ की है। वास्तव में विवाह बनाम स्वतंत्रता का प्रश्न किसी एक पक्ष की जीत या हार का प्रश्न नहीं है। यह समाज के विकास और परिवर्तन का स्वाभाविक चरण है। विवाह संस्था समाज के लिए आवश्यक है, क्योंकि वह स्थिरता, परिवार और सामाजिक व्यवस्था का आधार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता भी उतनी ही आवश्यक है, क्योंकि बिना स्वतंत्रता के कोई भी रिश्ता केवल बंधन बन जाता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि कानून, समाज और परिवार-तीनों मिलकर ऐसा संतुलन बनाएं, जिसमें विवाह संस्था भी सुरक्षित रहे और व्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। निश्चिततौर पर यह स्वीकार करना होगा कि जब रिश्ते टूट जाते हैं, तो व्यक्तियों को गरिमा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देना समाज के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक व्यवस्था का एक आवश्यक अनुकूलन है। दुनिया तेजी से बदल रही है, संस्कृतियाँ एक-दूसरे से जुड़ रही हैं और सोच भी बदल रही है। ऐसे समय में हमें परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि समन्वय का मार्ग खोजना होगा। रिश्तों का भविष्य न पूरी तरह परंपरागत होगा, न पूरी तरह आधुनिक, बल्कि दोनों के संतुलन से ही एक नई सामाजिक व्यवस्था का निर्माण होगा, जहाँ विवाह भी सम्मानित होगा और स्वतंत्रता भी सुरक्षित होगी।

ईरान हार मान नहीं रहा, जीत की घोषणा ट्रंप की मजबूरी

सुनील दास

ईरान-इजराइल व अमरीका के बीच चल रहे युध्द को एक माह से ज्यादा हो गया है।ईरान और इजराइल के बयानों से तो नही लगता है कि वह युध्द समाप्त करने को तैयार है।युध्द से दोनों को नुकसान होने के बाद भी दोनों आगे भी लड़ते रहने को तैयार हैं। तब तक लड़ने को तैयार है, जब तक कि एक पक्ष हार न मान ले। इजराइल ने साफ कह दिया है कि उसका लक्ष्य अभी पूरा नहीं हुआ है, वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के बाद ही युध्द रोकेगा। ईरान इजराइल के खिलाफ लड़ तो रहा है लेकिन उसके बयान अमरीका के खिलाफ ज्यादा आते हैं और वह यह जताता रहता है कि ईरान दूसरे देशों जैसा नहीं हैं जो अमरीका के आगे झुक जाए। वह अमरीका से लड़ रहा है और अमरीका उसे अब तक हरा नहीं पाया है। एक माह के युध्द में अमरीका ईरान को झुका नहीं पाया है। एक माह तक ईरान पर हमला कर अमरीका ईरान को डरा नहीं पाया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप भले कहे कि ईरान युध्दविराम की मांग कर रहा है जबकि अमरीका अभियान जल्द खत्म करने की तैयारी में है। अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा है कि ईरान युध्द में अमरीका ने निर्णायक बढ़ प्राप्त कर ली है।उसके अधिकांश सैन्य लक्ष्य पूरे हो चुके हैं। अमरीका के हमले में ईरान की नौसेना व वायुसेना खत्म हो चुकी है।मिसाइल व ड्रोन क्षमता कर दी गई है।इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स को भारी नुकसान पहुंचा है।ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। ट्रंप ने अमरीका व दुनिया के देशों को यह बताने की कोशिश की है कि अमरीका विश्व का एकमात्र ऐसा देश है वह जो चाहता है, करता है और वह जो कुछ करता है, उसमें सफल रहता है।ईरान के मामले में वह भले ही कहे कि अमरीकी सेना ने ईरान पर बड़ी जीत हासिल की है। अमरीका ईरान को हरा चुका है। ईरान हार मान चुका है और वह युध्द विराम की मांग कर रहा है लेकिन वर्तमान डिजिटल मीडिया के दौर में कोई भी देश अब सच को छुपा नहीं सकता। ट्रंप हजार बार कहें कि ईरान हार चुका है, अमरीका ने ईरान को हरा दिया है लेकिन लोगों के मन सवाल तो उठेगा ही कि यह ट्रंप की कैसी जीत है कि हारने वाला मान नहीं रहा है कि हम हार गए हैं और ट्रंप कह रहे हैं कि हमने ईरान को हरा दिया। पहले दो देशों के बीच युध्द होता था और एक देश जीतता था और एक देश हारता था। जीतने वाला देश तब ही जीता हुआ माना जाता था जब एक देश हार स्वीकार करता था। इसके बाद दोनों देशों के बीच युध्द समाप्त हो जाता था।अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हर तरह से प्रयास करके देख लिया है कि ईरान किसी तरह युध्द समाप्त करने को तैयार हो जाए यानी ईरान हार मान ले लेकिन ट्रंप के हर तरह के प्रयास के बाद भी, जमीनी लड़ाई, खर्ग द्वीप पर कब्जा करने की धमकी देने के बाद ईरान अमरीका के सामने झुकने को तैयार नही है। वह तो शहादत देने को तैयार है। ईरान के एक माह तक लड़ते रहने से अमरीका परेशान है क्योंकि वह सोचता था कि कुछ दिनों मे ईरान घुटनो पर आ जाएगा लेकिन एक माह बाद भी अमरीका के सामने ईरान तनकर खडा है. ईरान की यह मुद्रा ही अमरीका के लिए परेशानी का सबब है। वह ईरान के सर को अपने सामने झुका हुआ देखना चाहता है और ईरान सर उठाए हुए है तो मजबूरी में अमरीका को अपने देश व दुनिया का बताना पड़ रहा है कि हम तो जीत चुके हैं, हमारा लक्ष्य पूरा हो गया है। अब हमारे लिए युध्द का कोई मतलब नहीं है। हकीकत में ईरान अमरीका को यह बता रहा है कि युध्द तो समाप्त होगा लेकिन अमरीका की शर्तों पर नहीं ईरान की शर्तों पर होगा। ईरान ने तो पहले ही साफ कह दिया है कि युध्द अमरीका के चाहने से नहीं रुकेगा, युध्द तो तब ही रुकेगा जब ईरान चाहेगा। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने फिर कहा है कि अमरीका ईरान की कुछ शर्ते मान लें तो ईरान युध्द समाप्त कर सकता है।ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी साफ कहा है कि अमरीका से कोई सीधी बातचीत नही हो रही है।साथ ही ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप के सीज फायर की मांग करने के दावे से भी इंकार किया है।

भारत के लिए एक कठिन परीक्षा की घड़ी

अजीत द्विवेदी

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमले में भारत पक्षकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध शुरू होने से दो दिन पहले जरूर इजराइल की यात्रा पर गए थे। लेकिन भारत इस सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं है। इसके बावजूद इस युद्ध का बड़ा असर भारत के ऊपर होगा। भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा दोनों पर व्यापक असर होगा तो साथ ही खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों और पेशेवरों द्वारा भेजे जाने वाले रेमिटेंसेज यानी उनके पैसे पर भी असर होगा। इसके अलावा भारत की कूटनीति और सामरिक नीति भी प्रभावित होगी। सवाल है कि क्या भारत इस युद्ध की संभावना को देख रहा था और उसके असर से निपटने की कोई तैयारी हुई थी? दोनों का जवाब नकारात्मक है। अगर भारत युद्ध की वास्तविक संभावना देख रहा होता तो प्रधानमंत्री मोदी इजराइल की यात्रा पर नहीं जाते। जब युद्ध की संभावना नहीं दिख रही थी तो जाहिर है कोई तैयारी भी नहीं होगी।

ध्यान रहे भारत किसी सैन्य गठजोड़ का हिस्सा नहीं है और इजराइल के साथ साथ ईरान से भी पारंपरिक रूप से भारत के संबंध अच्छे रहे हैं। इसलिए भारत के लिए यह एक कठिन परीक्षा की घड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है। ईरान द्वारा सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर किए जा रहे हमले को लेकर भी भारत ने चिंता जताई है और इसकी आलोचना की है। लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत पर भारत की चुप्पी से इसकी रणनीतिक स्वायत्तता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी हमेशा कहते रहे हैं कि यह युद्ध का समय नहीं है। रूस और यूक्रेन युद्ध में उन्होंने कई बार यह बात कही है। लेकिन इजराइल और अमेरिका के हमले में भारत यह बात नहीं कह रहा है। यह भी रणनीतिक स्वायत्तता के भारत के दावे पर सवाल खड़े करता है।

बहरहाल, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के असर को समझना हो तो सबसे पहले भारत की ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से इसे देखना होगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का करीब 81 फीसदी हिस्सा आयात करता है। पश्चिम एशिया इस आयात का प्रमुख स्रोत है। अगर ईरान होरमुज की खाड़ी को बाधित करता है और लाल सागर में हूती द्वारा हमला करके उस क्षेत्र को डिस्टर्ब किया जाता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है। दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल होरमुज की खाड़ी से होकर गुजरता है। लेकिन भारत का 40 फीसदी तेल इस रास्ते से आता है। सोचें, अमेरिका के दबाव में भारत ने रूस से तेल खरीदना कम कर दिया है। अब अगर खाड़ी से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है तो भारत की मुश्किल बढ़ेगी। इससे भारत पर अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा तेल खरीदने के दबाव बढ़ेगा। तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल संभव है। अभी यह 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया है और अगर जंग जारी रहती है तो यह एक सौ डॉलर प्रति बैरल तक या उससे ऊपर भी जा सकता है। इससे भारत के आयात बिल में बड़ी बढ़ोतरी होगी। इसका असर भारत की पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत का चालू खाते का घाटा बढ़ेगा और पहले से दबाव झेल रहा रुपया और दबाव में आएगा। अगर सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करती है तो उससे आम उपभोक्ताओं पर असर होगा और साथ ही परिवहन, उर्वरक, बिजली और विमानन सेवाओं की कीमतें बढ़ेंगी। अंतत: इसका बोझ भी जनता पर ही पड़ेगा। अगर महंगाई बढ़ती है तो उसका असर भारतीय रिजर्व बैंक की उदार ब्याज नीतियों पर भी पड़ेगा। केंद्रीय बैंक को सख्ती बरतनी होगी। अगर ब्याज दर बढ़ते हैं तो विकास दर में भी कमी आएगी।

एक अनुमान के मुताबिक खाड़ी देशों में 90 लाख से एक करोड़ भारतीय नागरिक रहते हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और ओमान जैसे देशों में भारतीय समुदाय की बड़ी मौजूदगी है। बाहर से भारतीय पेशेवेर जो रेमिटेंस यानी पैसा भेजते हैं उसका एक तिहाई से ज्यादा करीब 35 फीसदी हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। यह बड़ी रकम होती है, जिसका कई राज्यों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान होता है। अगर ईरान का युद्ध व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में बदलता है, तो सभी खाड़ी देशों की सुरक्षा स्थिति प्रभावित हो सकती है। ध्यान रहे ईरान ने लगभग सभी खाड़ी देशों पर हमला शुरू कर दिया है। ऐसी स्थिति में भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी एक बड़ी कूटनीतिक और मानवीय चुनौती बन जाएगी। भारत ने यमन और यूक्रेन जैसे संकटों में बड़े पैमाने पर निकासी अभियान चलाए हैं, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में संकट कहीं अधिक जटिल हो सकता है। रेमिटेंसेज में कमी आएगी, जिससे केरल और तेलंगाना से लेकर बिहार और उत्तर प्रदेश तक में लाखों परिवार प्रभावित होंगे।

ध्यान रखने की जरुरत है कि भारत का एक बड़ा हिस्सा समुद्री व्यापार के जरिए पश्चिम एशिया और यूरोप से जुड़ा है। युद्ध की स्थिति में इस रास्ते में व्यापार प्रभावित होगा, माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी, आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी और एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक शिपिंग बीमा महंगा होगा। इससे ऊर्जा के अलावा पेट्रोकेमिकल, फार्मा और इंजीनियरिंग उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। यदि समुद्री मार्गों में अस्थिरता बढ़ती है तो भारत को वैकल्पिक रास्तों और रणनीतियों पर तेजी से काम करना होगा।

भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह के विकास में बड़ा निवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टेलीविजन इंटरव्यू में इसे बड़ी उपलब्धि बताते रहे हैं। इस बंदरगाह से भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच मिलती है और भारत को क्षेत्रीय संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलता है। युद्ध बढ़ने की स्थिति में यह परियोजना ठप पड़ सकती है, जिससे भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक योजनाएं प्रभावित होंगी। अगर यह क्षेत्र अस्थिर होता है तो चीन और अन्य शक्तियों को अपना असर बढ़ाने का मौका मिल सकता है।

भारत के सामने आर्थिक व ऊर्जा सुरक्षा से ज्यादा बड़ी चुनौती कूटनीतिक है। ईरान निश्चित रूप से चीन और रूस के ज्यादा करीब है लेकिन भारत के संबंध ऐतिहासिक और ऊर्जा आधारित रहे हैं। दूसरी ओर इज़राइल और अमेरिका के साथ भारत की रक्षा और रणनीतिक साझेदारी बेहद मजबूत है। ऐसे में भारत के लिए तटस्थ रहना और संतुलन बनाना आसान नहीं होगा। भारत मल्टी एलायनमेंट की नीति पर काम कर रहा है। ऐसे में वह दोनों पक्षों से युद्ध खत्म करने और शांति बनाने की अपील कर सकता है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच पर उसे एक स्पष्ट पोजिशन लेनी होगी। अगर एशिया में हो रहे सैन्य टकराव में भी भारत मूक दर्शक ही रहता है तो वह वैश्विक मंच पर एक मजबूत मैसेज देने का मौका गंवा देगा। युद्ध के बाद इस क्षेत्र में हो सकता है कि अमेरिका की सैन्य उपस्थिति बढ़े। साथ ही इस क्षेत्र में नया इराक बनने की संभावना भी दिख रही है, जिससे अस्थिरता बढ़ेगी और स्थायी रूप से तनाव बना रहेगा। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए खरीद में विविधता लाने पर गंभीरता से विचार करना होगा और वैकल्पिक व्यापार मार्गों की तलाश और विकास भी करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

रियलमी 16 5जी भारत में हुआ लॉन्च

रायपुर । भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन, रियलमी ने आज रियलमी 16 5जी पेश किया। यह नई जनरेशन के युवा यूज़र्स के लिए बनाया गया है, जो अपनी क्रिएटिविटी, पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के साथ रोजमर्रा की विज़्युअल स्टोरीटैलिंग प्रदर्शित करना चाहते हैं। इसमें ए.आई आधारित ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा और जबरदस्त सेल्फी इनोवेशन दिए गए हैं। साथ ही 7,000 एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के बावजूद अल्ट्रा-लाईट रियलमी 16 5जी मिड-रेंज का सबसे बेहतर स्मार्टफोन है।

ए.आई पोर्ट्रेट मास्टर: सेगमेंट का सबसे बेहतर ड्युअल 50 मेगापिक्सल कैमरा, जो देता है बिल्कुल जीवंत पोर्ट्रेट रियलमी 16 5जी में 50 मेगापिक्सल के फ्रंट कैमरा और सोनी आईएमएक्स852 50 मेगापिक्सल रियर कैमरा के साथ एडवांस्ड ड्युअल 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट कैमरा सिस्टम दिया गया है, जो नई जनरेशन के युवा यूज़र्स को ए.आई पोर्ट्रेट फोटोग्राफी का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। इसके रियर कैमरा में 1/2.83 इंच का विशाल सेंसर, एफ1.8 एपर्चर और ऑटोफोकस क्षमता है, जिसकी मदद से रोशनी की मुश्किल परिस्थितियों में भी शार्प डिटेल और भरोसेमंद इमेज परफॉर्मेंस मिलती है। 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा इमेज को और अधिक बेहतर बनाकर नैचुरल स्किन टोन और खूबसूरती से तराशे हुए फेशियल फीचर्स प्रदान करता है। इसलिए यह व्यक्तिगत सेल्फी और ग्रुप पोर्ट्रेट के लिए शानदार है और 30,000 रुपये से कम मूल्य का सबसे अच्छा स्मार्टफोन है।

रियलमी 16 5जी में एक और खूबी है। इसमें उद्योग का पहला रियर सेल्फी मिरर दिया गया है, जिसकी मदद से यूज़र्स मेन कैमरा द्वारा रियल टाईम में शॉट ले सकते हैं। ऑरा रिंग फ्लैश एक समान रोशनी के साथ शॉट्स को और अधिक सुंदर बना देता है। ''से हाय'' जैस्चर रिकग्निशन और वॉयस काउंटडाउन रियर-कैमरा सेल्फी और अधिक इन्ट्यूटिव, इंटरैक्टिव और सोशल बना देते हैं।

रियलमी 16 5जी में उसी ल्युमाकलर इमेज इंजन का उपयोग किया गया है, जो रियलमी 16 प्रो में है। इसलिए यह स्मार्टफोन नैचुरल स्किन टैक्सचर, एक्युरेट टोन, संतुलित हाईलाईट और बिल्कुल जीवंत कलर पेश करता है। एक्सप्रेसिव फोटोग्राफी के लिए इसमें वाईब मास्टर मोड है, जो कस्टमाईज़ेबल पैरामीटर्स के साथ कई वातावरण के टोन प्रिसेट पेश करता है, ताकि यूज़र्स अलग-अलग मूड्स और विज़्युअल स्टाईल के पोर्ट्रेट बना सके। इसमें ए.आई जेनी मोड है, जो पोर्ट्रेट को कैप्चर करने के बाद ए.आई इंस्पिरेशन, ए.आई स्टाईलमी और ए.आई लाईटमी जैसे फीचर्स द्वारा वन-टैप ए.आई एडिटिंग संभव बनाता है, ताकि प्रोफेशनल लेवल के फोटो आसानी से बन सकें। वीडियो क्रिएशन के लिए इसमें ए.आई इंस्टैंट क्लिप है, जो फोटो और वीडियो से मूमेंट्स को अपनेआप चुनकर स्टाईलाईज़्ड शॉर्ट क्लिप बना सकता है, जो सोशल शेयरिंग के लिए ऑप्टिमाईज़्ड होती हैं। रियलमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, फ्रैंसिस वोंग ने कहा, ''स्मार्टफोन उद्योग में मूल्य रीसेट हो रहे हैं। यूज़र्स हर मूल्य वर्ग में बेहतर फीचर्स चाहते हैं। रियलमी 16 5जी लॉन्च करने का उद्देश्य उनकी इन अपेक्षाओं को पूरा करना है।

एयरटेल ने किया 650 मिलियन ग्राहकों का आंकड़ा पार, बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

नई दिल्ली: भारती एयरटेल, जो ग्राहक संख्या के आधार पर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम ऑपरेटर और भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक है, ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है, कंपनी ने 650 मिलियन ग्राहकों का आँकड़ा पार कर लिया है।

जीएसएमए इंटेलिजेंस (GSMA Intelligence) के अनुसार, मोबाइल ग्राहक के आधार पर भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है, और इसका संचालन भारत तथा अफ्रीका के विभिन्न देशों में फैला हुआ है। भारती एयरटेल के एग्ज़िक्यूटिव वाइस चेयरमैन गोपाल विट्टल ने इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 650 मिलियन ग्राहकों का आँकड़ा पार कर वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम ऑपरेटर बनना हमारे लिए गर्व के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। यह हमें हर दिन अपने ग्राहकों को और बेहतर सेवा देने के लिए प्रेरित करता है। इसी सोच के साथ हम अत्याधुनिक तकनीकों में लगातार निवेश कर रहे हैं, ताकि केवल कनेक्टिविटी ही नहीं बल्कि एक सुरक्षित और भरोसेमंद नेटवर्क अनुभव भी प्रदान कर सके। हमारा उद्देश्य स्पष्ट है, जैसे-जैसे हम अपनी मौजूदगी को और मजबूत और विस्तारित कर रहे हैं, हम नवाचार, विश्वसनीयता और ग्राहक अनुभव के मानकों को लगातार ऊँचा उठाने का प्रयास करेंगे, ताकि हमारा हर जुड़ाव ग्राहक के साथ विश्वास अर्जित करने और बेहतर मूल्य प्रदान करने का अवसर बने।

बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान 6 अप्रैल से शुरू

दुर्ग (समय दर्शन) । कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। आगामी 06 अप्रैल 2026 से जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध रहेगा। इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ नर्सों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं

में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाधिक होने वाला कैंसर सर्वाइकल कैंसर है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है। यह वैक्सीन बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से बचाकर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए निर्धारित किया गया है तथा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में शासकीय अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण किया जाएगा। 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाएं भी इस वैक्सीन के लिए पात्र होंगी। टीकाकरण के समय अभिभावकों को बालिका का फोटोयुक्त पहचान पत्र एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपनी बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण अवश्य लगवाएं, जिससे उन्हें भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके।

कलेक्टर आकाश छिकारा ने किया सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान

कलेक्टर ने दी नई पारी की शुभकामनाएँ

जगदलपुर (समय दर्शन)। शासकीय सेवा की एक लंबी और कर्तव्यनिष्ठ यात्रा पूरी कर सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में एक गरिमामयी विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने सेवानिवृत्ति प्राप्त कर रहे 09 अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं देते हुए उन्हें शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। प्रशासन की संवेदनशीलता का परिचय देते हुए कलेक्टर ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उसी समय पेंशन भुगतान आदेश भी प्रदान किए, ताकि सेवा के बाद उनकी आगामी राह सुगम हो सके। समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने भावुक शब्दों में कहा कि आप सभी ने विभिन्न विभागों में रहते हुए अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय लोक सेवा और जनहित के कार्यों में व्यतीत किया है, जिसके लिए प्रशासन और जनता सदैव आपके आभारी रहेंगे। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि शासकीय सेवा से निवृत्ति केवल एक औपचारिक पड़ाव है, आपके पास जो अनुभव, कौशल और ज्ञान का भंडार है, उसकी आवश्यकता अब भी समाज को है। उ

न्होंने आग्रह किया कि सेवानिवृत्ति के बाद की इस नई पारी में आप अपने अनुभवों का लाभ समाज के उत्थान और लोगों के कल्याण के लिए अवश्य प्रदान करें।

दरभा के तीन आंगनबाड़ी केंद्रों में निकली भर्ती

20 अप्रैल तक करें आवेदन

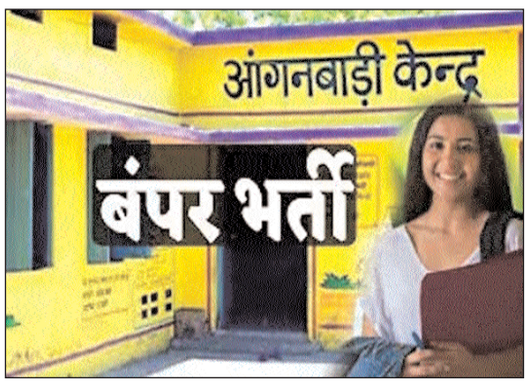

जगदलपुर (समय दर्शन)। जिले के एकीकृत बाल विकास परियोजना दरभा के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया है। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से ग्राम पंचायत छिन्दगुर और छिन्दावाड़ा में कार्यकर्ता के एक-एक पद तथा ग्राम पंचायत अलवा में सहायिका के एक पद की पूर्ति की जानी है। जो भी इच्छुक महिला अभ्यर्थी इन पदों के लिए आवेदन करना चाहती हैं, वे 06 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन पोर्टल https://aww.e-bharti.in/

पर जाकर अपने दस्तावेज अपलोड कर सकती हैं। आवेदन के लिए आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के बीच होनी चाहिए और संबंधित ग्राम का निवासी होना अनिवार्य है जहाँ आंगनबाड़ी केंद्र स्थित है। शैक्षणिक योग्यता के तौर पर कार्यकर्ता पद के लिए 12वीं और सहायिका पद के लिए 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। यदि किसी केंद्र में निर्धारित योग्यता वाली आवेदिका नहीं मिलती है, तो नियमों के अनुसार कम पढ़ी-लिखी महिलाओं के आवेदन पर भी विचार किया जा सकता है। यह नियुक्तियां पूर्णत: मानसेवी और अशासकीय होंगी, जिसमें शासन द्वारा तय मानदेय प्रदान किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में विधवा, परित्यक्ता और गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए अतिरिक्त अंक दिए जाने का प्रावधान है। आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे अंतिम तिथि 20 अप्रैल से पहले अपना आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर लें, क्योंकि इसके बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

खरीफ और रबी सीजन के लिए जिला स्तरीय कृषि नियंत्रण कक्ष स्थापित

जगदलपुर (समय दर्शन)। जिले के किसानों के लिए कृषि विभाग के द्वारा आगामी खरीफ और रबी सीजन 2026-27 के लिए जिला स्तरीय कृषि नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत बीज, गुणवत्तापूर्ण उर्वरक और कीटनाशक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, साथ ही बाजार में खाद-बीज की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और ऊंचे दामों पर बिक्री की रोकथाम करना है। इसके अतिरिक्त फसलों में लगने वाले कीट और व्याधियों के उचित प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ इस केंद्र के माध्यम से किसानों को समय-समय पर तकनीकी सलाह भी प्रदान करेंगे। इस व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए अधिकारियों की एक समर्पित टीम तैनात की गई है, जिसमें सहायक संचालक कृषि श्री लखनधर दीवान (+91-70002-58043) को नोडल अधिकारी और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री बलराम प्रसाद (+91-94252-62714) को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी सहायता के लिए श्री केके झा (+91-94242-83895), श्री विक्रम भदौरिया (+91-70004-29238), श्री रोहित द्विवेदी (+91-94076-42792) और श्रीमती सरिता विष्णु (+91-99261-66858) को नियंत्रण कक्ष सहायक के तौर पर नियुक्त किया गया है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है और उप संचालक कृषि ने सभी विकासखंडों के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने स्तर पर इसी तरह के नियंत्रण कक्ष स्थापित करें ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को स्थानीय स्तर पर ही सहायता मिल सके।

किसान हित में एक और पहल, 'हरी खाद' किट वितरण से मिट्टी होगी उपजाऊ

धान उत्पादन बढ़ाने पर जोर

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिले के किसानों की आय बढ़ाने और मिट्टी की सेहत सुधारने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा 'हरी खाद' वितरण की महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसके तहत गीदम, दंतेवाड़ा और नकुलनार स्थित लैम्प्स केंद्रों में 2000 हरी खाद किट उपलब्ध कराई गई हैं। कृषि विभाग ने विशेष रूप से 'श्री विधि' एवं रोपा विधि से धान की खेती करने वाले किसानों से अपील की है कि वे शीघ्र अपने नजदीकी लैम्प्स से किट प्राप्त करें। ज्ञात हो कि प्रत्येक किट का वजन 5.50 किलोग्राम निर्धारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि हरी खाद (ढैंचा, सनई) मिट्टी के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। यह मिट्टी की संरचना को भुरभुरा बनाकर जड़ों के विकास में मदद करती है, साथ ही वायुमंडल से नाइट्रोजन लेकर मिट्टी में स्थिर करती है, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। इसके उपयोग से मिट्टी में जैविक कार्बन एवं ह्यूमस की मात्रा बढ़ती है, जल धारण क्षमता में सुधार होता है तथा खरपतवार नियंत्रण में भी सहायता मिलती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, हरी खाद की बुवाई मानसून की शुरुआत या मई-जून में की जानी चाहिए। 25 से 30 दिन बाद, इसमें फूल आने की अवस्था में फसल को खेत में पलटकर मिट्टी में मिला दिया जाता है, जिससे लगभग एक सप्ताह में यह खाद में परिवर्तित हो जाती है। इसके बाद धान की रोपाई करने से बेहतर उत्पादन प्राप्त होता है। कृषि विभाग ने किसानों से जैविक विकल्प अपनाकर मिट्टी को सुरक्षित रखने की अपील की है। किट की संख्या सीमित होने के कारण किसानों से जल्द से जल्द गीदम, दंतेवाड़ा और नकुलनार लैम्प्स पहुंचकर लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

जल संरक्षण की दिशा में दुर्ग जिले की बड़ी उपलब्धि

मोर गांव मोर पानी महाभियान बना जन आंदोलन, 32058 वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में जल संरक्षण की दिशा में संचालित मोर गांव मोर पानी महाभियान ने जन आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों में मात्र 15 दिनों के भीतर 32 हजार 058 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर दुर्ग जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अभियान के माध्यम से भूजल स्तर सुधारने की दिशा में बड़ी पहल सफल रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बजरंग दुबे के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत 卐एकेच गोठ, एकेच बानी, बूंद-बूंद बचाबो पानी 2.0 अभियान की शुरुआत 13 मार्च 2025 को की गई थी। अभियान के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के घरों में मात्र दो घंटे के भीतर 1764 सोक पीट का निर्माण कर गोल्डन बुक में नाम दर्ज कराया गया। द्वितीय चरण में 08 दिसम्बर को 12 हजार 418 सोक पीट का निर्माण किया गया, जिससे कुल 14 हजार 182 सोक पीट का निर्माण स्वप्रेरणा से किया गया। इसके साथ ही मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत 23 हजार 889 कंटूर ट्रेंच एवं वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच का निर्माण भी पूर्ण किया गया है। मनरेगा के माध्यम से जल संचय कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अब तक 32 हजार 058 संरचनाओं की एंट्री पोर्टल पर की जा चुकी है। इस अभियान में ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया, जिससे यह अभियान जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है।

प्रत्येक प्रधानमंत्री आवास में निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं से न केवल वर्तमान की जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए भी जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। अभियान के तहत विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसमें कम खर्च वाले 24 कार्य, 15 बोरवेल रिचार्ज, 03 चेकडेम, 5875 कंटूर ट्रेंच, 07 गली प्लग, 03 नाला बंड, 18 ओपन वेल रिचार्ज (डगवेल), 07 परक्यूलेशन तालाब, 537 रिचार्ज पीट, 05 रिचार्ज शाफ्ट, 817 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, 6676 सोक पीट, 09 टैंक, 48 विलेज पॉण्ड तथा 18014 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच कार्य शामिल हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल स्तर में सुधार और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाकर इस महाभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं, जिससे हर घर जल संचय के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

ऑपरेशन कालचक्र के तहत अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने एवं शांति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर जिले में चलाया गया विशेष अभियान

असमाजिक तत्वों एवं अपराधियों पर नकेल कसने पुलिस का विशेष अभियान ''ऑपरेशन कालचक्र''

अभियान कार्यवाही में रायपुर नॉर्थ जोन पुलिस के राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, थानों के बल थे शामिल।

चाकूबाजों, गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश, संदिग्ध व्यक्ति, असमाजिक तत्वों एवं अपराधों में संलिप्त व्यक्तियोंके विरूद्ध चलाया गया विशेष अभियान।

लम्बे समय से फरार चल रहे कुल 14 स्थाई वारंट, 41 गिरफ्तारी वारंट एवं 37 जमानती वारंट किये गये तामिल।

रायपुर। कुल 60 अपराधिक प्रवृत्तियों में संलिप्त व्यक्तियों को थाना हाजिर कर ली गई उनकी परेड।

आर्म्स एक्ट के तहत 03 आरोपियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही।

आबकारी एक्ट के तहत 01 आरोपी के विरूद्ध की गई है कार्यवाही।

प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कुल 20 आरोपियों के विरूद्ध की गई कार्यवाही।

कुल 14 प्रकरण जिसमें आरोपियान फरार थे उनका भी किया गया निष्पादन। विवरण - पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) श्री मयंक गुर्जर(भा.पु.से) के दिशा-निर्देश में अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर चलाये जा रहे विशेष अभियान ''ऑपरेशन कालचक्र'' के तहत नॉर्थ जोन क्षेत्रांतर्गत को चाकूबाजों, गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश, संदिग्ध व्यक्ति, असमाजिक तत्वों एवं फरार वारंटियों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

ऑपरेशन कालचक्र का उद्देश्य

अपराधियों में मनोवैज्ञानिक दबाव, क्षेत्र में अपराध नियंत्रण तथा संगठित अपराध के नेटवर्क का विघटन करने के साथ-साथ वारंट निष्पादन में वृद्धि करना है। जिसके तारतम्य में आज दिनांक 02.04.2026 को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) श्री आकाश मरकाम एवं सहायक पुलिस आयुक्त उरला सुश्री पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में ऑपरेशन कालचक्र के तहत थाना प्रभारियों एवं उनके बलो के द्वारा तड़के प्रात: सभी संवेदनशील इलाको में औचक रेड कार्यवाही कर थाना क्षेत्रों के चाकूबाजों, गुण्डा बदमाश, निगरानी बदमाश, संदिग्ध व्यक्ति, असमाजिक तत्वों एवं अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई है। अभियान कार्यवाही के दौरान चाकूबाजों, गुण्डा/निगरानी बदमाश, असमाजिक तत्वों, अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों एवं संदिग्धों के विरूद्ध थाना खमतराई, उरला, गुढ़ियारी, पण्डरी तथा खम्हारडीह में कुल 60 आरोपियों को संबंधित थाना में हाजिर कर समझाईश दी गई थी एवं 03 आरोपियों के विरूद्ध आर्म्स एक्ट, अवैध रूप से 48 पौवा देशी शराब के साथ 01 आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट एवं 20 आरोपियों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है। इसके साथ ही विशेष अभियान के तहत लम्बे समय से फरार चल रहे थाना गुढ़ियारी से 05 स्थाई वारंट, थाना खम्हारडीह से 03 स्थाई वारंटी, थाना पण्डरी से 05 स्थाई वारंट तथा थाना उरला से 01 स्थाई वारंट कुल 14 स्थाई वारंट तामिल कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है एवं कुल 41 गिरफ्तारी वारंट तथा 37 जमानती वारंट भी तामिल किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बाघ गणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल, जगदलपुर में 'अखिल भारतीय बाघ आंकलन 2026' के अंतर्गत फील्ड स्तर का सर्वे कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस दौरान निगम के अमले ने अपने प्रबंधन वाले वन क्षेत्रों में बीट स्तर पर व्यापक सर्वे अभियान चलाया। सर्वे कार्य वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर किया गया। मैदानी कर्मचारियों ने प्रत्येक बीट में ट्रेल और ट्रांसेक्ट सर्वे के माध्यम से वन्यजीवों की उपस्थिति दर्ज की। लाइन ट्रांसेक्ट सर्वे के तहत निर्धारित लाइनों पर पैदल चलकर शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या, घनत्व और उनके निवास क्षेत्र की गुणवत्ता का आकलन किया गया। ट्रेल सर्वे के अंतर्गत वन क्षेत्रों की पगडंडियों और जलस्रोतों के आसपास बाघ, तेंदुआ सहित अन्य मांसाहारी वन्यजीवों के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष साक्ष्यों का निरीक्षण किया गया। इसमें पगमार्क, मल (स्कैट) और पेड़ों पर खरोंच के निशानों का अध्ययन शामिल रहा। इस पूरे अभियान में आधुनिक डिजिटल तकनीक का उपयोग किया गया। सभी जानकारी को M-STrIPES ऐप के माध्यम से रियल टाइम में दर्ज किया गया, जिससे डेटा की पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित हुई। वन विकास निगम के अधिकारियों के अनुसार, औद्योगिक वृक्षारोपण क्षेत्रों में सागौन सहित अन्य प्रजातियों के बीच वन्यजीवों की आवाजाही से जुड़े आंकड़े भविष्य की संरक्षण और प्रबंधन योजनाओं के लिए उपयोगी साबित होंगे। यह सर्वे यह भी दर्शाता है कि वन विकास निगम के अधीन क्षेत्र केवल व्यावसायिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने महतारी वंदन योजना मददगार : आर्थिक सहायता मिलने से हेमा सिंग बनीं आत्मनिर्भर

रायपुर। महिलाओं के साथ असमानता को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत् सुधार लाने, आर्थिक स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, परिवार में उनकी निर्णय लेने की भूमिका को सुदृढ़ करने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना लागू की गई है। महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी, जिसे मलिाओं ने इसे एक अवसर के रूप में देखा और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने उपयोग करने लगी।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड के छोटे से ग्राम मझगंवा की श्रीमती हेमा सिंग की कहानी आज कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। कभी आर्थिक तंगी से जूझने वाली हेमा सिंग ने आज अपने आत्मविश्वास और सरकारी योजना के सहयोग से अपनी जिंदगी को नई दिशा दी है। महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी। जिसे हेमा सिंग ने इसे एक अवसर के रूप में देखा।

हेमा सिंग ने इस राशि को बचाकर अपने घर के पास एक छोटा सा किराना स्टोर शुरू किया। धीरे-धीरे उनकी दुकान चल निकली। गांव के लोगों की जरूरतों को पूरा करते हुए उनका व्यवसाय बढ़ने लगा और आय में भी स्थिरता आने लगी। आज उनकी दुकान न सिर्फ उनकी आर्थिक मजबूती का आधार बनी है, बल्कि उनके परिवार के जीवन स्तर में भी बड़ा बदलाव लाई है। हेमा सिंग अब अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिला पा रही हैं और भविष्य के लिए भी बचत कर रही हैं। पहले जहां रोजमर्रा के खर्चों को लेकर चिंता बनी रहती थी, वहीं अब उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और संतोष साफ नजर आता है।

लकड़ी के अवैध परिवहन पर कार्रवाई, पिकअप वाहन जब्त

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा वन क्षेत्रों में अवैध कटाई, अतिक्रमण और उत्खनन पर रोक लगाने के लिए लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। प्रबंध संचालक के निर्देश पर सभी परियोजना मंडलों में नियमित गश्त और निगरानी की जा रही है, जिससे वन सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो रही है। इसी क्रम में कोटा परियोजना मंडल, बिलासपुर की टीम ने गश्त के दौरान बड़ी कार्रवाई की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर भैंसाझार परिक्षेत्र के बछाली बीट में ग्राम नवापारा और उमरमरा के बीच सड़क मार्ग पर एक पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान वाहन में साल प्रजाति की 27 नग लकड़ी (चिरान/चौखट) अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाई गई। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जितो प्लस पिकअप वाहन (क्रमांक CG-10BL-4663) को जब्त कर लिया। इस मामले में वाहन चालक रघुवीर कश्यप के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 41(2) (ख) और धारा 52 के तहत वन अपराध दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई क्षेत्रीय महाप्रबंधक बिलासपुर और मंडल प्रबंधक कोटा के मार्गदर्शन में परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी के नेतृत्व में की गई। टीम में सहायक क्षेत्रपाल, क्षेत्ररक्षक एवं अन्य वन कर्मचारी शामिल रहे। वन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री प्रेम कुमार ने इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए टीम को बधाई दी है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इसी तरह सतर्क रहकर वन सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जनजातीय जड़ से राष्ट्रीय रंग तक: छत्तीसगढ़ की स्टार फुटबॉलर किरण पिस्दा की संघर्ष और विकास की कहानी

- **किरण भारत के लिए खेल चुकी हैं और क्रोएशियन महिला लीग में डिनामो ज़ाग्रेब के लिए भी खेली हैं**
- **किसी भी पोज़िशन पर खेलने की क्षमता उनकी सबसे बड़ी ताकत है**

रायपुर। जब खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट के दौरान किरण पिस्दा ने गोलकीपिंग के दस्ताने पहने, तब वह अपने अब तक के अनुभवों पर भरोसा कर रही थीं। उन अनुभवों पर, जिन्होंने चुनौतियों और निराशाओं के बीच उन्हें और अधिक मजबूत बनाया। 24 साल की उम्र में किरण अपने खेल कौशल के शिखर पर नजर आती हैं। वह यूरोप में लीग फुटबॉल खेल चुकी हैं और अब बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दहलीज पर हैं। हालांकि, उनका यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा, भले ही उन्हें स्कूल और परिवार से शुरुआती समर्थन मिला। उनके भाई गिरीश पिस्दा, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, उनके लिए प्रेरणा बने। किरण ने साई मीडिया से कहा, मुझे स्कूल में काफी सपोर्ट मिला। वहीं से मुझे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के मौके मिले और हर चयन के साथ मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया। इसके बाद किरण शारीरिक शिक्षा में डिग्री हासिल करने के लिए रायपुर आई। छत्तीसगढ़ महिला लीग के दौरान उन्होंने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा और उन्हें राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलावा मिला। किरण बताती हैं, उस समय मैं शारीरिक रूप से उतनी फिट नहीं थी और मेरा मानसिक स्तर भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं था। यही कारण रहा कि उस राष्ट्रीय शिविर में उन्हें भारतीय टीम के लिए चयन नहीं मिला। वह कहती हैं, मुझे एहसास हुआ कि वहां जो अनुभव मिला है, उस पर मुझे काम करना होगा।

इसके बाद उनके जीवन में आत्म-सुधार का एक कठिन दौर शुरू हुआ। उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम किया, मैचों का विश्लेषण करना शुरू किया और अपनी पोज़िशनल समझ को बेहतर बनाया। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव उनकी मानसिकता में आया।

वह कहती हैं, मैंने खुद से कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं नकारात्मक नहीं सोचूंगी। अगर आप नकारात्मक हो जाते हैं, तो उसका सीधा असर आपके प्रदर्शन पर पड़ता है।

इस बदलाव में उनके मेंटर और कोच योगेश कुमार जांगड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। किरन ने कहा,जब भी मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हूं या मन खराब होता है, तो मैं उनसे बात करती हूं। वह हमेशा मुझे सकारात्मक रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

उनकी मेहनत का असर धीरे-धीरे दिखने लगा। घरेलू स्तर पर उनके प्रदर्शन ने केरल ब्लास्टर्स जैसे क्लबों के दरवाजे खोले, जहां उन्होंने खुद को और निखारा। उनकी सबसे बड़ी ताकत उनकी बहुमुखी प्रतिभा बन गई।

सोशल मीडिया में कट्टे के साथ पोस्ट डालकर वायरल करने वाले आरोपी गिरफ्तार

मुख्य आरोपी कुलेश्वर उर्फसोनू साहू पोस्ट डालकर हो गया था फरार, जिसकी पतासाजी करते हुये 48 घंटे के भीतर किया गया गिरफ्तार।

आरोपियों से 01 नग कट्टा किया गया जप्त।

एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना आजाद चौक पुलिस की संयुक्त कार्यवाही।

रायपुर । एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की सोशल मीडिया विंग द्वारा इस तरह के पोस्ट पर लगातार रखीं जा रहीं नजर।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक व्यक्ति द्वारा हाथ में अवैध कट्टा लेकर उसका प्रदर्शन करते हुए वीडियो वायरल किया गया था। उक्त वीडियो को पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) श्री स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) श्री संदीप पटेल द्वारा अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान में लिया गया तथा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की शीघ्र पहचान कर उसे अवैध हथियार सहित गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया।

एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की सोशल मीडिया विंग टीम द्वारा वायरल वीडियो का सूक्ष्म तकनीकी विश्लेषण किया गया। विश्लेषण के आधार पर वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान आजाद चौक, रायपुर निवासी कुलेश्वर उर्फसोनू साहू के रूप में की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा थाना आजाद चौक पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए आरोपी कुलेश्वर उर्फसोनू साहू की पतासाजी कर उसे पकड़ गया। आरोपी से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा कट्टा को पंडरी रायपुर निवासी शिखर द्विवेदी से लाना बताया गया। प्राप्त जानकारी के आधार पर टीम द्वारा शिखर द्विवेदी की भी पतासाजी कर उसे भी पकड़ा गया।

दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 01 नग कट्टा जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 66/26 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्यवाही किया गया।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना: ससौली-छिरोपारा के ग्रामीणों को मिली सुगम आवागमन की सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों के लिए आवागमन का सशक्त माध्यम बन रही है। सरगुजा जिले के विकासखंड लुण्ड्रा के ग्राम ससौली और छिरोपारा के निवासियों के लिए अब जिला मुख्यालय अंबिकापुर तक की राह न केवल आसान हुई है, बल्कि उनके समय और श्रम की भी बड़ी बचत हो रही है।

कई किलोमीटर का पैदल सफर अब हुआ समाप्त- ग्राम ससौली छिरोपारा निवासी श्री गिरवर यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के प्रारंभ होने से पहले उन्हें बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को लगभग 8 से 10 किलोमीटर तक पैदल चलकर लुण्ड्रा आना पड़ता था। उन्होंने बताया कि पहले बस पकड़ने के लिए घंटों पैदल चलना पड़ता था। कई बार देरी होने पर बस छूट जाती थी, जिससे पूरा दिन खराब हो जाता और जरूरी काम भी रुक जाते थे। लेकिन जब

से 'अंबिकापुर से कोरांधा-उरदरा' मार्ग पर मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा शुरू हुई है, हमारी जिंदगी बदल गई है।

समय पर काम और सुरक्षित वापसी- योजना के तहत संचालित बस अब सीधे गांव के करीब से होकर गुजर रही है। ग्रामीण अब आसानी से बस में सवार होकर समय पर जिला मुख्यालय पहुंचते हैं, दिनभर अपना काम निपटाते हैं और उसी बस से सुरक्षित अपने घर वापस लौट आते हैं। इस सुविधा ने न केवल आर्थिक रूप से राहत दी है, बल्कि बुजुर्गों, महिलाओं और छात्रों के लिए आवागमन को बेहद सुविधाजनक बना दिया है।

योजना के लिए शासन का जताया आभार- पहुंचविहीन क्षेत्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ने की इस सार्थक पहल के लिए क्षेत्र के ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है। ससौली और छिरोपारा के श्री गिरवर यादव ने इस संवेदनशील निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

राज्यपाल रमेन डेका ने सरायपाली में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

जल संरक्षण के कार्यों को और गति दें,अधिक से अधिक पेड़ लगाकर संरक्षित करें-राज्यपाल श्री डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने जल संरक्षण के कार्यों की सराहना करते हुए किसानों को डबरी खनन के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बताया गया कि विकासखंड में 218 डबरी स्वीकृत की गई हैं तथा बड़ी संख्या में निर्माण कार्य पूर्ण किए गए हैं, राज्यपाल ने और गति देने की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल श्री डेका ने आज सरायपाली प्रवास के दौरान रेस्ट हाउस में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राज्यपाल ने वृक्षारोपण को जनआंदोलन के रूप में संचालित करने पर जोर देते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाए। कैंपा एवं मनरेगा

मद से वृहत वृक्षारोपण करते हुए शासकीय भवनों, रेस्ट हाउस परिसरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में फलदार एवं छायादार पौधे लगाए जाएं। विभाग ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 1.50 लाख पौधरोपण किया गया है तथा अमृत सरोवरों के आसपास भी हरित विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने इसमें जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कृषि क्षेत्र की समीक्षा करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, रासायनिक उर्वरकों के

उपयोग को कम करने तथा धान के साथ उद्यानिकी फसलों के समावेश पर बल दिया। उन्होंने जैविक चावल के वैल्यू एडिशन के माध्यम से किसानों की आय वृद्धि के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा के दौरान उन्होंने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को प्रभावी बनाने, हितग्राहियों से सेवा शुल्क लेने तथा सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई एवं उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने टीबी रोगियों की जानकारी ली और उनके उपचार की सतत निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने समाज के सक्षम व्यक्तियों को टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित करने, रेडक्रॉस से जुड़ने तथा ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं मोतियाबिंद के उपचार हेतु जागरूकता अभियान एवं शिविर आयोजित करने पर बल दिया। उन्होंने एम्स से समन्वय स्थापित कर बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने योग को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों में प्रारंभ से ही योग की आदत विकसित की जाए तथा इसके लिए नियमित प्रशिक्षण और कक्षाएं संचालित की जाएं। उन्होंने अधिक से अधिक पुस्तकालय खोलने तथा महिला स्व-सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर लखपति दीदी बनाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में सरायपाली विधायक श्रीमती चतुरी नंद भी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर कलेक्टर श्री विनय लंगेह ने जिले में संचालित विकास कार्यों एवं प्रमुख योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा, एसडीएम श्रीमती अनुपमा आनंद सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

खबर-खास

कमला कॉलेज में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में दिनांक 06.04.2026 से 20.04.2026 तक 15 दिवसीय खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कराते, कबड्डी एवं योग का प्रशिक्षण दिया जायेगा। उक्त प्रशिक्षण शिविर में स्कूल एवं कालेज की छात्राएं भाग ले सकते है। योग प्रशिक्षण का समय प्रात: 9 से 10 बजे तक है। जिसमें महिलाएं भी भाग ले सकती है। बैडमिंटन, कबड्डी एवं टेबल टेनिस का प्रशिक्षण प्रात: 6 से 8 बजे तक है। बैडमिंटन का प्रशिक्षण सांई के कोच के द्वारा दिया जाएगा। कराते का प्रशिक्षण सायं 4 बजे से 5 बजे तक होगा। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के इच्छुक छात्र-छात्राएं अपना नाम महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नीता एस. नायर के पास दिनांक 04.04.2026 तक दर्ज करवा सकते है।

संस्कार मल्टी टैलेंट कैंप बच्चों के लिए बदलाव की नई शुरुआत - नीरज साहू

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा द्वारा प्रतिभा विद्यालय में आयोजित संस्कार मल्टी टैलेंट समर क्लास के बच्चों के साथ रूबरू होने मौके पर पहुंचे नीरज कुमार साहू उप निरीक्षक आबकारी पिथौरा और उनकी टीम इस समर कैंप की हर गतिविधि को नजदीक से कवर किया और उपस्थित बच्चों के साथ बातचीत कर उनको मोटिवेट किया। इस दौरान आबकारी अधिकारी नीरज कुमार ने कहा कि ये सिर्फकैंप नहीं, एक क्रांति है.जहां हुनर, डांस, ड्राइंग पेंटिंग, विज्ञान, कला और आत्मविश्वास का समागम हो रहा है। बच्चे अपने भीतर छिपे कलाकार और वैज्ञानिक को खोज रहे हैं यह भविष्य की नींव है । ये संस्कार मल्टी टैलेंट कैंप जिले के बच्चों के लिए बदलाव की नई शुरुआत है इस मौके पर समर क्लास के डायरेक्टर श्रीमती सीमा गौरव चंद्राकर ने आबकारी विभाग टीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान भी किया। इस आयोजन में मुख्य रूप से नीरज कुमार साहू उप निरीक्षक आबकारी विभाग पिथौरा, सचिन चौहान, श्रीमती सीमा गौरव चंद्राकर डायरेक्टर समर क्लास, पिंटू बेहरा, डांस कोरियोग्राफर सहित संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आत्मसमर्पण से आत्मनिर्भरता : सुकमा में युवाओं को मिली नए जीवन की मजबूत नींव

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की मानवीय, संवेदनशील एवं दूरदर्शी पुनर्वास नीति अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव की नई कहानी लिख रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन लगातार ऐसे प्रयास कर रहा है, जिससे आत्मसमर्पित माओवादी युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इसी क्रम में जिला मुख्यालय सुकमा स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में 32 आत्मसमर्पित युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट प्रदान की गई। कार्यक्रम कलेक्टर श्री अमित कुमार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर ने युवाओं से संवाद कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री अमित कुमार ने कहा कि पुनर्वास केवल आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि आप सभी को स्थायी आजीविका, आत्मनिर्भरता और समाज में सम्मान मिले।

निधन : उदय राम साहू

दुर्ग। सिकोला भाठा निवासी उदय राम साहू 80 वर्ष का विगत 2 अप्रैल को निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार चिखली मुक्तिधाम मे किया गया। वे पूजा न्यूज़ एजेंसी के संचालक राहुल साहू के पिताजी थे। वे अपने पीछे धर्मेंद्र, वीरेंद्र, जितेंद्र, सुरेंद्र एवं भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

जिला कार्यालय के पास अवैध रेत-मिट्टी का अड्डा! सड़क निर्माण की आड़ में खुला खेल

नियमों को ताक पर रखकर रेत भंडारण और मिट्टी उत्खनन, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के नजदीक इन दिनों सड़क निर्माण कार्य की आड़ में बड़े पैमाने पर अवैध रेत भंडारण और मिट्टी उत्खनन का खेल खुलकर सामने आ रहा है।हैरानी की बात यह है कि यह पूरा मामला जिला कार्यालय के पास ही संचालित हो रहा है,जहां से प्रशासनिक अमला रोजाना गुजरता है,बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क निर्माण के नाम पर बाहर से अवैध रूप से रेत लाकर खुलेआम भंडारण किया जा रहा है।वहीं,निर्माण कार्य में उपयोग के लिए बिना अनुमति के मिट्टी भी अलग-अलग स्थानों से खोदकर लाई जा रही है। इससे न सिर्फ पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि शासन को राजस्व की भी

भारी हानि पहुंच रही है।

ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि जब जिला मुख्यालय के पास ही इस तरह का अवैध कारोबार खुलेआम चल रहा है,तो दूर-दराज के क्षेत्रों की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार विभाग की मिलीभगत के बिना इस तरह का कार्य संभव नहीं है।जबकि अवैध रेत भंडारण और मिट्टी खनन से भू-जल स्तर पर भी असर पड़ता है और भविष्य में जल संकट गहरा सकता है। इसके बावजूद संबंधित विभाग की निष्क्रियता कई सवाल खड़े कर रही है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक संज्ञान लेता है और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाता है,या फिर यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

खनिज अधिकारी और इंस्पेक्टर को जानकारी के लिए फोन लगाया गया,लेकिन वे फोन नहीं उठाए।

दुर्ग शहर के विकास को मिली रफ्तार, सड़क चौड़ीकरण के दो बड़े प्रोजेक्ट मंजूर

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत 16 करोड़ से अधिक की स्वीकृति,महापौर ने जताया शासन का आभार

दुर्ग (समय दर्शन)। महापौर अल्का बाघमार ने बताया कि 01 अप्रैल 2026,छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने दुर्ग शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सड़क चौड़ीकरण के दो बड़े कार्यों के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा कि ये दोनों कार्य मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान में शामिल हैं, जिनसे शहर के यातायात और विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उरला मुख्य मार्ग से प्रस्तावित एस.टी.पी. (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए कुल 297.04 लाख रुपये (लगभग 2.97 करोड़) की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना में कंसल्टेंसी शुल्क 2.93 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। यह मार्ग शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों को जोड़ता है, जिससे इस सड़क के चौड़ीकरण के बाद यातायात का दबाव कम होगा और आवागमन सुगम होगा। उन्होंने कहा कि वहीं दूसरी और अधिक व्यापक परियोजना के तहत गुण्डस्देही रोड से गौठान, प्रधानमंत्री आवास (ए.एच.पी.) कॉलोनी, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय होते हुए पोटिया चौक तक सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए कुल 1363.52 लाख रुपये (लगभग 13.63 करोड़) की प्रशासकीय मंजूरी प्रदान की गई है। इस परियोजना में 12.89 लाख रुपये कंसल्टेंसी शुल्क तय किया गया है। यह सड़क कई महत्वपूर्ण आवासीय, शैक्षणिक और सार्वजनिक क्षेत्रों को जोड़ती है, जिससे इसके उन्नयन से बड़ी आबादी को सीधा लाभ मिलेगा।इन सख्त शर्तों के साथ होगा कार्य शासन ने दोनों परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट और सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

धूमधाम से मनाई गई श्री हनुमान जन्मोत्सव

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम चीजगांव में गुरुवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया गया । इसमें पहले मंदिरों की साफ-सफाई कर पोताई की गई । जन्मोत्सव के पावन प्रसंग पर मंदिरों के परिसर जय श्री हनुमान, जय श्री राम के उद्घोष से गुंजायमान हुआ । हनुमान जन्मोत्सव के एक दिन पूर्व पाठ शुरू किया गया, जो लगातार 24 घंटों तक जारी रहा। प्रात: काल से लेकर देर शाम तक अभिषेक, श्रृंगार, विशेष पूजन, भजन संध्या, हनुमान चालीसा, भव्य प्रसादी भंडारा का क्रम डेढ़ से दो घंटों तक जारी रहा । जन्मोत्सव दैहान स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण पर हवन-पूजन किया गया। महाराज चेतन शर्मा के माध्यम से हवन पूजन संपन्न हुआ। हवन पूजन पश्चात प्रसादी भंडारा भी किया गया। शाम 7 बजे हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा बजरंग प्रांगण से डीजे

धुन के साथ गांव के प्रमुख मार्गों व गलियों से निकाली गई। जहां भक्तों ने आरती उतारकर भगवान श्री हनुमान जी को जन्मदिन की बधाई दी एवं मंगल कामनाओं के लिए आशीर्वाद मांगा। भ्रमण पश्चात् रात 9:30 बजे शोभायात्रा बजरंग प्रांगण पहुंची ।आरती पश्चात् शोभायात्रा के साथ आयोजन सफल हुआ। आयोजन में छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सहयोग व आस्था, आयोजन में देखने को मिला। जन्मोत्सव के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी । इस अवसर पर मुख्य रूप से सरपंच भगेला साहू, उप सरपंच सुनील साहू, सभी वार्डों के पंचगण, अविनाश पटेल, भूतपूर्व सरपंच अमरसिंह नेताम, सेवाराम साहू, घनश्याम साहू, डॉ.पीलाराम साहू, बेदराम साहू,गनपत साहू, खेमूराम साहू, ओंकार साहू,लोकनाथ साहू, चिंताराम साहू, हीरालाल साहू, विष्णु साहू, दिनेश साहू,बलराम साहू कुबेर साहू, हालेश्वर मंडावी, जगमोहन साहू, पवन साहू,मुकेश साहू, बलराम साहू, दिलीप साहू,बेनीराम,बद्रीसाहू, सुरेश साहू, साहू,मनीराम यादव,लक्ष्मण साहू,मानसिंग साहू,दुखुराम साहू,चेतन साहू, श्रवण साहू,धीरज साहू, लूकेंद्र साहू,अवध साहू, जागेश्वर साहू,धरमू साहू,पिलेश्वर साहू,शिक्षक उत्तम साहू, नोहर सिंग साहू,चंद्रशेखर साहू,शिवा साहू,कुलेश्वर साहू,डोमन साहू, भोलाराम साहू,कोमल नेताम,भागीरथी साहू, लोकेश्वर साहू, देवसिंग यादव, रोशन,शोभाराम, रवि, चित्रेण,कुणाल,पूरन, कियत,सुमीत,युवराज, अजय,देवलाल, गुनीराम, सुनील,कैलाश,धनेश, मनीष,भागवत,भूषण,श्रवण,शुभम, अशोक,आनंद,लेखराम, गोपाल,तमेश्वर,गोवेन्द्र,दिनेश समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु नवोदय विद्यालय में आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

सुकमा (समय दर्शन)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा (सुकमा-1) में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया विधिवत प्रारंभ कर दी गई है। विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 03 अप्रैल 2026 से प्रोविजनल (अस्थायी) प्रवेश प्रमाण पत्रों का वितरण आरंभ हो रहा है।

चयनित विद्यार्थियों की सूची जिला शिक्षा अधिकारी जीआर मंडावी तथा खंड शिक्षा अधिकारी को सादर सूचनार्थ प्रेषित की गई है।

प्राचार्य का अभिभावकों से आग्रह है कि वे अपने पाल्यों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें। चयन प्रवेश पत्र विद्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं तथा दिनांक 06 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ विद्यालय में जमा किए जाएंगे।

प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेजों में विद्यार्थी का आधार कार्ड, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, स्थायी जाति प्रमाण पत्र (अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु केंद्रीय जाति प्रमाण पत्र आवश्यक), विकलांगता प्रमाण पत्र (केवल 40) से अधिक विकलांगता मान्य), कक्षा 3, 4 एवं 5 का अध्ययन प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र एवं माता-पिता का आधार कार्ड शामिल है।

विद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राप्त पूर्ण आवेदनों/दस्तावेजों पर ही विचार किया जाएगा। अपूर्ण दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे । अत: सभी अभिभावकों से निवेदन है कि वे समयबद्धता का विशेष ध्यान रखते हुए आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें, जिससे विद्यार्थियों को प्रवेश में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

विद्यालय परिवार ने अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में अग्रसर होने का आह्वान किया है।

बरतियाभाटा में अवैध शराब पर छापा, सरायपाली व भंवरपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्र में चल रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत एक बड़ी और प्रभावी कार्रवाई सामने आई है, जहां पत्रकारों की टीम की पहल पर ग्राम बरतियाभाटा में अवैध शराब निर्माण और भंडारण का भंडाफोड़ किया गया। इस कार्रवाई में सरायपाली थाना और भंवरपुर थाना चौकी की पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में महुआ शराब और लहान को नष्ट किया गया है। इस घटना मे पत्रकारों की टीम को ग्राम बरतियाभाटा में अवैध शराब निर्माण की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा, जहां अवैध रूप से महुआ शराब तैयार की जा रही थी। छापे के दौरान लगभग 50 लीटर महुआ शराब और 400 लीटर महुआ यूरिया मिश्रित लहान बरामद किया गया।कार्रवाई के दौरान टीम ने तत्काल सरायपाली थाना प्रभारी नीतेश सिंह ठाकुर को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस बल को मौके पर भेजा। साथ ही भंवरपुर थाना चौकी से भी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। दोनों पुलिस टीमों की संयुक्त कार्रवाई में जब्त सामग्री का विधिवत नस्टीकरण किया गया। पुलिस ने मौके से अवैध गतिविधियों में उपयोग हो रही एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है। पत्रकारो की टीम ने इस सफल कार्रवाई के लिए सरायपाली थाना प्रभारी नीतेश सिंह ठाकुर एवं भंवरपुर थाना चौकी सहित पुलिस टीम की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। टीम का कहना है कि इस तरह की संयुक्त कार्रवाई से क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगेगा और आम जनता में जागरूकता बढ़ेगी।

प्रतापपुर के ग्रामों में जिला पंचायत सीईओ ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

सूरजपुर। जिला पंचायत सीईओ श्री विजेंद्र सिंह पाटले द्वारा विगत दिवस जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम ग्राम पंचायत मदन नगर पहुंचकर जिला पंचायत सीईओ ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्माणाधीन अटल/लालसाय तालाब कार्य का स्थलीय अवलोकन किया और कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। सीईओ श्री विजेन्द्र पाटले ने ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में कोवलेश्वर, राजमाडी, रंजीता एवं सुरंती के प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण भी किया । श्री पाटले ने निर्माण कार्य की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके उपरांत ग्राम पंचायत कनक नगर पहुंचकर जिला पंचायत सीईओ ने डीएवी स्कूल एवं पंचायत भवन का निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान हेतु रेंगाकठेरा मंडल की अहम बैठक बुंदेलीकला में संपन्न

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को, बूथ चलो-गांव चलो के मूल मंत्र के साथ कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष विपिन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश महामंत्री थानेश्वर पाटिला, ब्लॉक अध्यक्ष राममुरत वर्मा जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव ग्रामीण के जिला सचिव व रेंगाकठेरा मंडल के प्रभारी ओमप्रकाश साहू, सहप्रभारी भागवत वर्मा के उपस्थित में मंडल अध्यक्ष संतोष देवांगन नेतृत्व में बुंदेलीकला में रेंगाकठेरा मंडल बैठक बैठक संपन्न हुआ।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री थानेश्वर पटिला ने बैठक में अपनी बात रखते हुए बूथ गठन में सक्रिय लोगों को प्राथमिकता देने की बात रखते हुवे कांग्रेस को और भी ज्यादा मजबूती प्रदान करने की दिशा में सब मिलकर काम करने की बात कही। ब्लॉक अध्यक्ष राममुरत वर्मा ने संगठन सृजन के में बूथ गठन के दिशा निर्देश दिए। जिला सचिव व मंडल प्रभारी ओमप्रकाश साहू ने कहा कि कांग्रेस में बूथ गठन का कार्य पूरे मंडल में जल्द से जल्द किया जाएगा और इन्हीं बूथ कार्यकारणी के बदौलत सभी कार्यकर्ताओं के मेहनत से हम 2028 में फिर से विधानसभा में कांग्रेस सरकार राज्य में एवं 2029 में लोकसभा में बनाकर रहेंगे। मंडल अध्यक्ष संतोष देवांगन सभी सेक्टर प्रभारी एवं उपस्थित कार्यकर्ताओं को बूथ गठन के संबंध में जो दिशा-निर्देश प्राप्त हुए है उन्हें बताए। बैठक में सहप्रभारी भागवत वर्मा, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष महेन्द्र सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे। बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश महामंत्री थानेश्वर पटिला, जिला सचिव मंडल प्रभारी ओमप्रकाश साहू, ब्लॉक अध्यक्ष राममुरत वर्मा, सहप्रभारी भागवत वर्मा, मंडल अध्यक्ष संतोष देवांगन, युवा कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष गंभीर साहू, डुमरडीहकला सेक्टर प्रभारी अजय वर्मा, बरबरपुर सेक्टर प्रभारी देवशरण वर्मा, रेंगाकठेरा सेक्टर प्रभारी पोषण वर्मा सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक, पूर्व विधायक एवं आयोग के पूर्व सदस्य ने अनीस खान के निवास पहुंचकर ईद की शुभकामनाएं

राजनांदगांव (समय दर्शन)। ईद के त्योहार के बाद सौहार्दपूर्ण वातावरण में जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान के निवास पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का आगमन हुआ, जहां उन्होंने मिलकर ईद की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान आपसी भाईचारे, सौहार्द और संगठनात्मक एकजुटता का संदेश भी देखने को मिला।

मोहला-मानपुर क्षेत्र के विधायक इंदरशाह मंडावी, डोंगरगढ़ के पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल, छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य एवं जिला कांग्रेस कमेटी कवर्धा के पूर्व अध्यक्ष महेश चंद्रवंशी, दुर्ग जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेश बाफ्ना राजनांदगांव प्रवास के दौरान अनीस खान के निवास पहुंचे। इस दौरान राजनांदगांव के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक फ्डनवीस एवं पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आ्रसिफअली भी साथ थे।

सभी वरिष्ठ नेताओं के आगमन पर अनीस खान एवं उनके परिवारजनों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर नेताओं ने ईद की शुभकामनाएं देने के साथ-साथ अनीस खान को जिला कांग्रेस कमेटी का प्रवक्ता बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही उनकी संगठनात्मक सक्रियता और जिम्मेदारी निभाने की क्षमता की सराहना भी की। इस दौरान क्षेत्रीय एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए कांग्रेस पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने तथा पार्टी की विचारधारा को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में आत्मीयता से परिपूर्ण रही, जिसमें आपसी अपनापन स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। भोजन उपरांत सभी अतिथि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भिलाई के लिए रवाना हुए। अंत में अनीस खान ने वरिष्ठ नेताओं के आगमन हेतु आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन उन्हें संगठन के प्रति और अधिक निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करता है तथा उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार मार्गदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की।

जहाँ था डर और प्यास वहाँ अब विकास : लखपाल बना नई उम्मीद की मिसाल

रायपुर। कभी नक्सल भय और पेयजल संकट से जूझता सुकमा जिले का दूरस्थ ग्राम लखापाल आज विकास की नई कहानी लिख रहा है। वर्षों तक जहां ग्रामीणों को पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब हर घर में नल से शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। यह बदलाव केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन और छत्तीसगढ़ शासन की नियद नेल्लानार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और कलेक्टर श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में कोंटा विकासखंड के घोर नक्सल प्रभावित ग्राम लखापाल में विकास की वह रोशनी पहुंची है, जिसकी यहां वर्षों से प्रतीक्षा थी। जिला मुख्यालय सुकमा से लगभग 88 किलोमीटर दूर स्थित लखापाल गांव लंबे समय तक नक्सल समस्या और पेयजल संकट की दोहरी मार झेलता रहा।

//न्यायालय तहसीलदार सरायपाली, जिला- महासमुंद (छ.ग.)//

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक एल्डन छत्तर पिता बिद्याधर छत्तर जाति गोड़ निवासी ग्राम सरायपाली तहसील सरायपाली द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम सरायपाली दिनांक 19.03.2007 को आवेदक के दीदी प्रेमागिनी छत्तर की मृत्यु हो जाने से मृतक व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आक्षेप/ दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 08.04.2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 01..04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
सरायपाली
मुहर

//न्यायालय तहसीलदार सरायपाली, जिला- महासमुंद (छ.ग.)//

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक एल्डन छत्तर पिता बिद्याधर छत्तर जाति गोड़ निवासी ग्राम सरायपाली तहसील सरायपाली द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम सरायपाली दिनांक 26.10.2013 को आवेदक के माता राहिल छत्तर की मृत्यु हो जाने से मृतक व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाने आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आक्षेप/ दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 08.04.2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 01..04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
सरायपाली
मुहर

सशस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति संकल्प पूरा होने पर भव्य हनुमंत भंडारा में श्रद्धालुओं ने निभाई सहभागिता

खेड़ापति हनुमान मंदिर कवर्धा में हनुमान जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के प्राचीन सिद्धपीठ श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर कवर्धा में हनुमत जन्मोत्सव अपार श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर प्रांगण की रंग बिरंगी फूलों से आकर्षक साज सज्जा की गई थी, वहीं अखंड पाठ, भजन कीर्तन के बीच विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। दोपहर ठीक 12.30 बजे खेड़ापति दादा की महाआरती में भक्तगण झूम उठे। इसके बाद भोग भंडारा का दौर देर शाम तक चलता रहा। इसके साथ ही नगर एवं जिले के हजारों हनुमान मंदिरों में हनुमान जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और भोग भंडारा का प्रसादी लेने भक्तों का हुजूम लगा रहा।

भंडारा प्रसादी के आयोजन में इस वर्ष उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि शर्मा एवं उनके पुत्र अभिनव शर्मा ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल, डीएसपी भूपत सिंह, श्रीमती अंजु कुमारी, कृष्णा चंद्राकर, आशीष शुक्ला तथा कोतवाली थाना प्रभारी योगेश कश्यप सहित अन्य अधिकारियों ने भी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर सहभागिता निभाई एवं प्रसादी ग्रहण की। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च 2026 की निर्धारित समय-सीमा तक बस्तर सहित छत्तीसगढ़ से सशस्त्र नक्सलवाद के पूर्णतः समाप्त होने की ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में स्थापित शांति, सुरक्षा एवं विकास के नए युग का अभिनंदन करते हुए ईश्वर के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। चार दशकों से अधिक समय तक छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर अंचल, नक्सलवाद की गंभीर चुनौती से जूझता रहा। इस दौरान अनेक निर्दोष नागरिकों एवं सुरक्षा बलों के जवानों ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया तथा क्षेत्रीय विकास प्रभावित रहा। कवर्धा जिला भी इस समस्या से अछूता नहीं रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप यह उपलब्धि संभव हुई है। साथ ही प्रदेश के गृह मंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की सक्रिय भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सुरक्षा बलों के वीर जवानों के अदम्य साहस एवं बलिदान को नमन करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में भगवान खेड़ापति हनुमान जी भंडारा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई, जिससे सामाजिक एकता, सौहार्द एवं जन-समरसता का सशक्त संदेश प्रसारित हुआ।

संयंत्र की प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025 26 में रचा इतिहास, रिकॉर्ड प्रदर्शन से स्थापित किए नए मानक

भिलाई (समय दर्शन)। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की। वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्पादन, डिस्पैच तथा परिचालन दक्षता के विभिन्न प्रमुख मानकों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज कर प्लेट मिल ने संयंत्र की समग्र उत्पादन क्षमता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वार्षिक प्रदर्शन के अंतर्गत प्लेट मिल ने वित्तीय वर्ष 2025*26 में 6,37,118 टन का अब तक का सर्वाधिक डायरेक्ट डिस्पैच हासिल किया, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 के 5,97,455 टन के पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। यह उपलब्धि परिचालन उत्कृष्टता, प्रभावी समन्वय तथा टीम वर्क का सशक्त उदाहरण है। मार्च 2026 के दौरान प्लेट मिल ने 1,46,554 टन रोल्ड एवं फिनिश्ड प्लेट्स का अब तक का सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया, जो इससे पूर्व मार्च 2014 में प्राप्त 1,39,538 टन के रिकॉर्ड से अधिक है। इसी क्रम में कुल फिनिश्ड प्लेट्स उत्पादन में भी 1,34,042 टन के नया रिकॉर्ड बना, जिसने मार्च 2014 के 1,26,920 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। डिस्पैच के क्षेत्र में भी प्लेट मिल ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए मार्च 2026 में 1,36,020 टन का सर्वाधिक मासिक कुल डिस्पैच दर्ज किया, जो मार्च 2011 के 1,28,445 टन के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है। लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई, जहाँ सड़क मार्ग से डिस्पैच 16,368 टन तक पहुँच गया, जो फरवरी 2026 के 12,174 टन के पूर्व उच्चतम स्तर से कहीं अधिक है।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर गरियाबंद ब्लॉक के अंतिम छोर के गाँव आमामोरा में आयोजित किया गया

हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद विकासखंड के अंतिम छोर स्थित घने जंगलों एवं दुर्गम क्षेत्र में बसे ग्राम आमामोरा के शासकीय आदिवासी छात्रावास परिसर में वर्षों उपरांत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों से कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए,जिसमें से सभी आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर के दौरान सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा शासन के महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए ग्रामीणों को लाभ उठाने की अपील की गई।शिविर में विभागीय स्टॉल लगाए गए थे।इसके अलावा स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया था।इस दौरान ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर उन्हें लाभान्वित किया गया।

इस दौरान बिन्द्रनवागढ़ विधायक जनक ध्रुव ने संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र को जनप्रतिनिधि, शासन-प्रशासन एवं ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि आमामोरा क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण काफी अभाव की जिंदगी जीने पर विवश थे। जिसे आने वाले समय में सभी मूलभूत सुविधाएं और अधिक मिलेगी।उन्होंने गाँवों में विद्युत की समस्या को देखते हुए कहा कि क्रेडा विभाग द्वारा लगाएं गए सौर ऊर्जा की केपेसिटी में बढ़ोत्तरी करें ताकि ग्रामीणों को और अधिक विद्युत मिल सके। उन्होंने कहा कि यहाँ के लोगों को खाद्यान्न की कमी न हो। इसका विशेष ध्यान रखें। शिक्षक नियमित रूप से स्कूल आकर बच्चों को अध्यापन कार्य कराएं। श्री ध्रुव ने कहा कि इस क्षेत्र में पर्यटन की असीम संभावनाएं है। इसे और अधिक सहज बनाएं ताकि पर्यटन यहां आकर रुक सके। जनसमस्या निवारण शिविर के यहाँ आयोजन होने से लोगों की उम्मीदें और अधिक बढ़ी है। जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा लगातार आज दुसरे दिन अति पिछड़े और संवेदनशील गाँव में यहाँ कि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पहुँचे है। इस क्षेत्र में अति पिछड़ी जनजाति कमार एवं भुंजिया के अधिकांश लोग निवासरत है। पूर्व में यहाँ के निवासी विकास से कोसों दूर थे। अब उनका बेहतरीन तरीके से विकास किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि आप लोग बे-झिझक होकर अपनी मांग एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर बीएस उइके ने कहा कि देश नक्सल मुक्त होने के उपरांत यहाँ जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर लगाया है। ताकि आप लोगों की समस्याओं को जानकर उसका निराकरण किया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों की मांग एवं शिकायत पर बताया कि जर्जर आंगनबाड़ी भवन का मरम्मत शीघ्र कराया जाएगा।

क्रेडा विभाग द्वारा विद्युत केपेसिटी को बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने बताया कि आमामोरा और ओढ़ क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें उसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा सप्ताह में दो दिन आएंगे। साथ ही ग्रामीणों के राजस्व,कृषि संबंधित कार्य के लिए प्रति सप्ताह पटवारी,सचिव एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तीन दिन आएंगे।

आवास निर्माण समय पर पूर्ण कराने पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद जिले के उपसंचालक श्रीमती पदमनी हरदेल ने गरियाबंद ब्लाक के ग्राम पंचायत सचिवों का समीक्षा बैठक ली, सचिवों को चेतावनी देते हुये सभी अप्रारंभ आवास को एक सप्ताह मे प्रारंभ करने एवं प्रत्येक सप्ताह प्रति पंचायत मे कम से कम तीन 3 आवास ढलाई कराने का लक्ष्य दिये।

आवास निर्माण प्रारंभ नही करने वाले हितग्राहियों को जाना पड़ेगा पेशी,,,समीक्षा बैठक मे ऐसे आवास हितग्राही जिन्हें लंबे समय से राशि जारी होने पर भी आवास मे प्रगति नही लाने लावें एवं अप्रारंभ आवास हितग्राहियों को नोटिस देकर जनपद एवं एस.डी.एम. आफिस मे पेशी बुलाकर शाशन द्वारा प्रदाय की गयी राशि का दुरुपयोग करने की स्थिति मे वसूल किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। गरियबांद ब्लाक मे वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 25-26 कुल 6172 आवास स्वीकृत किये गये है। जिसमे से अभी मात्र 3112 आवास का ढलाई पूर्ण किया गया है, स्वीकृत आवास की तुलना मे पूर्णता का प्रतिशत 58.52त्न ही हो पायी है। सभी आवासों को तय समय सीमा मे पूर्ण किये जाने का निर्देशित किये गये। एवं प्रति सप्ताह कम से कम 3 आवास ढलाई करने निर्देशित किये गये है।

आवास निर्माण मे कम प्रगति वाले सचिवों का वेतन रोकने का निर्देश,,,समीक्षा बैठक के दौरान विगत सप्ताह मे एक भी आवास का ढलाई पूर्ण नही कराने वाले ग्राम पंचायत सचिवों का मार्च महिने का वेतन रोकने हेतु निर्देशित किये गये। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण शासन की मोस्ट प्रायरटी योजना है। यदि तय समय सीमा मे सभी स्वीकृत आवास पूर्ण किये जाते हैं तो आवास 2.0 मे किये गये शेष पात्र हितग्राहियों को भी इनका लाभ मिल सकेगा।

कोडार डेम के राम घाट में मिला शव

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद जिला के तुमगांव क्षेत्र से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया है। कांग्रेस के युवा नेता एवं पार्टी में सक्रिय रहने वाले भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ महासमुंद के पूर्व जिला उपाध्यक्ष जय पवार अब इस दुनिया में नहीं रहे। लेकिन उनकी मौत जितनी दुखद है, उतनी ही रहस्यमयी भी बन गई है।

कोडार डेम के पास स्थित राम घाट जहां आम दिनों में प्रकृति की शांति और पानी की लहरें सुकून देती हैं, वहीं आज उसी जगह पर मातम पसरा हुआ है। यहीं से जय पवार का शव बरामद हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही तुमगांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई।

राम घाट, जो वन विभाग के 'वन चेतना' क्षेत्र से सटा हुआ है, अब एक सवालों का अड्डा बन गया है। जिस स्थान से जय पवार का शव मिला, वहीं किनारे पर उनकी मोटरसाइकिल और जूते भी पाए गए हैं। यह दृश्य किसी फिल्मी सस्पेंस से कम नहीं था- एक ओर शांत पानी, दूसरी ओर खामोश खड़ी बाइक और पास में पड़े जूते... मानो कोई अधूरी कहानी खुद बयान कर रहे हों। जय पवार कांग्रेस पार्टी के एक सक्रिय और मिलनसार व्यक्तित्व थे। उनका इस तरह अचानक और रहस्यमयी परिस्थितियों में जाना, किसी को भी सहज नहीं लग रहा।

घटना की सूचना मिलते ही तुमगांव थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी है। शव को पानी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है ताकि मौत के असली कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक तौर पर पुलिस किसी भी संभावना से इनकार नहीं कर रही है। यह दुर्घटना है, आत्महत्या या फिर किसी साजिश का हिस्सा-इन सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

मोदी सरकार की नीतियों से बढ़ी महंगाई, आम जनता पर पड़ा सीधा असर : विपिन यादव

कमर्शियल और घरेलू गैस, पेट्रोल-डीजल से लेकर खाद्य वस्तुओं तक कीमतों में भारी उछाल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रेस क्लब राजनांदगांव में आज आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव ने केंद्र की भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलताओं के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम जनता का जीवन मुश्किल हो गया है। प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में विपिन यादव ने कहा कि मोदी सरकार के गलत आर्थिक फैसलों के चलते आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर गहरा असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 195 रुपये की वृद्धि की गई है, जबकि पिछले तीन महीनों में ही इसमें 525 रुपये की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में भी पिछले सप्ताह 62 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पहले भाजपा 400 रुपये के गैस सिलेंडर को महंगा बताती थी, लेकिन आज वही कीमत 900 से 1000 रुपये तक पहुंच गई है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा। श्री यादव ने कहा कि सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाकर राहत देने का दावा किया, लेकिन वास्तविकता में पेट्रोल के दाम फिर बढ़ गए हैं। कुछ स्थानों पर यह वृद्धि 4 रुपये तक दर्ज की गई है। वहीं, एविएशन फ्यूल महंगा होने से हवाई यात्रा भी आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही है।

खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि खाद्य तेल, दूध, मावा और राशन सामग्री के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं। उन्होंने दावा किया कि खाद्य तेल, जिसे 70 रुपये प्रति लीटर तक पहुंचने में वर्षों लगे, वह अब 200 रुपये के पार हो चुका है। विपिन यादव ने कहा कि महंगाई ने आम आदमी के किचन का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है और परिवार चलाना कठिन हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को आम जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है और सरकार केवल अपने पूंजीपति मित्रों को फायदा पहुंचाने में लगी हुई है। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने मनरेगा के माध्यम से रोजगार की कानूनी गारंटी दी थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसे कमजोर कर गरीबों के रोजगार का अधिकार छीन लिया है।

जोगी की गतिविधि बताती है उन्हें आभास था उच्च न्यायालय आदेश का

बिलासपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की विधानसभा में जब अमित जोगी विधायक बने थे और वह मरवाही आरक्षित सीट का प्रतिनिधित्व करते थे तो राजनीतिक प्रेक्षक उन्हें सबसे अधिक जानकार, मुखर और संवेदनशील विधायक के रूप में चिन्नाकिंत करते थे। कुछ प्रेषक तो होने भविष्य का मुख्यमंत्री मानते थे। 2 अप्रैल 2026 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय को 2003 सतीश जग्गी हत्याकांड में सीबीआई की अपील पर सत्र न्यायालय के निर्णय को पलटते हुए दोषी करार दिया।

हम हत्याकांड के पूरे प्रकरण पर कुछ नहीं कहते क्योंकि विश्लेषणों से भरे पड़े हैं। हम चर्चा करते हैं 2023 में हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जब यहां कांग्रेस की सरकार थी और इसका नेतृत्व भूपेश बघेल कर रहे थे। सबसे पहले याद रखें अभी हाल ही में छत्तीसगढ़ विधानसभा से धर्म स्वतंत्र विधेयक पास हुआ है और अमित जोगी ने इसका बड़ा विरोध किया। राज्यपाल को ज्ञापन भी दिया और एक क्रमिक आंदोलन की बात भी कही थी। उनके गतिविधियों से लगता है कि उन्हें उच्च न्यायालय के आदेश का आभाष था। वे कुछ दिन पूर्व ही दिल्ली में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पूर्व कैबिनेट मंत्री कपिल सिब्बल से मिले भी चुनाव में वह सीधे मुख्यमंत्री के विरोध में लड़े तब खबरों को लिखने वाले इशारों में रहते थे कि उन्हें पूरी रसद भाजपा से मिल रही है। छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस जोगी के विधायक में से अधिकतर ने भाजपा ही ज्वाइन की लेकिन जोगी ने और उनकी मां ने कभी बीजेपी में शामिल होना स्वीकार नहीं किया वह हमेशा इसी प्रयास में रहे की उनके राजनीतिक दल का पूर्ण विलय कांग्रेस में हो जाए और यह प्रस्ताव कांग्रेस की एक कमेटी के पास लंबित भी है। अमित जोगी उच्च शिक्षित हैं और बहू विषयों की बड़ी नजर रखने वाले युवा हैं। उन्हें आने वाली कठिनाइयों का खूब अंदाज है किसी नेता की हत्या के मामले में दोषी करार दिए जाने और जेल जाना भारतीय राजनीति में कोई अनोखी बात नहीं है। देश में कई ऐसे नेता मंत्री तक है जो बड़ी टिकढमो के बाद न्यायालय से बचे तीन सप्ताह का समय का उपयोग जोगी उच्च न्यायालय के आदेश का तोड़ खोजने में ही लगाएंगे। जिसकी शुरुआत वे अधिवक्ता कपिल सिब्बल से मिलकर कर चुके हैं। इस पूरे प्रकरण को देश के बड़े वकीलों ने देखा है और अमित जोगी की पैरवी की उनमें दिवंगत राम जेठमलानी, सुरेंद्र सिंह भी शामिल हैं और इस बार देश की सबसे बड़ी अदालत में अमित जोगी की पर भी कौन करेगा यह दिलचस्प रहेगा।

इस मामले ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर विषय पर क्या कदम उठाता है।

संक्षिप्त-खबर

राखड़ परिवहन कर रही बड़ी लारी ट्रक पलटी, ड्राइवर घायल

पाटन (समय दर्शन)। पाटन क्षेत्र में एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। सोनपुर से अखरा के मध्य राखड़ (औद्योगिक अवशेष) का परिवहन कर रही एक भारी लारी ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा पाटन से सोनपुर के बीच तरीघाट मार्ग पर हुआ। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रक की ट्रॉली दो टुकड़ों में बंट गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में ड्राइवर को केवल मामूली चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के समय चालक नशे की हालत में था, जिसके कारण वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया और यह हादसा हो गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और स्थिति को संभालने में मदद की गई। मामले की सूचना संबंधित प्रशासन को दे दी गई है।

24 वर्षों की सेवा के बाद गांव पहुंचे सूबेदार इंदल आठे का भव्य स्वागत

पाटन (समय दर्शन)। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ब्लॉक पाटन के पूर्व सैनिकों द्वारा ग्राम बटरेल निवासी सूबेदार इंदल आठे का आत्मीय स्वागत किया गया। वे 24 वर्षों तक भारतीय सेना में सेवा देने के पश्चात अपने गृह ग्राम लौटे हैं।

उनकी वापसी पर ग्रामवासियों एवं पूर्व सैनिकों ने गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संघ ब्लॉक पाटन के अध्यक्ष श्री डी. के. चौहान, संरक्षक राजेंद्र सिंह, संरक्षक कमलेश नेताम, मीडिया प्रभारी सैयद जाफरी, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र साहू, गिरवर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने सूबेदार इंदल आठे की सेवा भावना की सराहना करते हुए उनके अनुभवों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

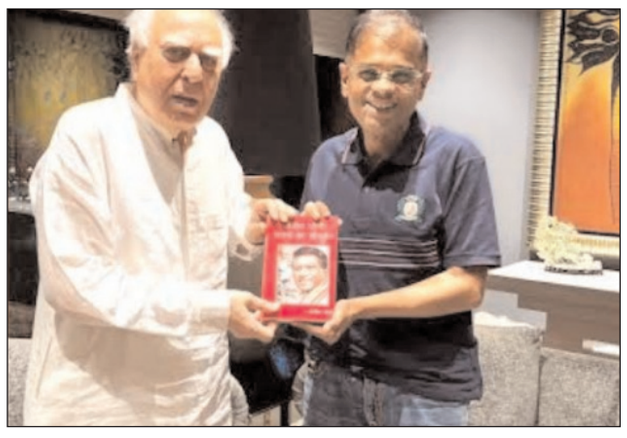

खर्रा में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई गई भक्त माता कर्मा जयंती

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम खर्रा में भक्त माता कर्मा जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गांव में आकर्षक शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तहसील साहू संघ पाटन के लालेश्वर साहू उपस्थित रहे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष दुलेश्वर साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष राम नारायण साहू, श्याम लाल साहू एवं श्री राम साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान लोक कला परिवार के कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान आकर्षित किया और माहौल को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और पूरे आयोजन को सफल बनाया।

ऑपरेशन निश्चय के तहत 12 लाख 50 हजार रूपये गांजा के अवैध गांजा के साथ अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। 2 अप्रैल को स्ट्क्ककी कार्यवाही हेतु चेक पोस्ट नाका खुटगांव के लिए रवाना हुआ था। चेकपोस्ट नाका खुटगांव में स्ट्क्क चेकिंग के दौरान आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इस दौरान एक व्यक्ति धरमगढ़ उड़ीसा की ओर से देवभोग की ओर पैदल आ रहा था तथा अपने साथ में एक सफेद रंग की प्लास्टिक थैला एवं कला रंग का बिट्ठू बाग पीठ में रखा था जिसे चेकिंग पॉइंट पर रोक कर नाम पता पूछने पर अपना नाम काला कान्हू उर्फ कान्हा टांडी पिता खीरासिंधु टांडी उम्र 24 वर्ष साल्हेकेला वार्ड नंबर 2 थाना बोडेन जिला नुवापाडा (उड़ीसा) का रहने वाला बताया तथा अपने पास रखे सफेद रंग के थैलाब बिट्ठू बाग के संबंध में किसी प्रकार का संतोषजनक जवाब नहीं दिया।जिस कारण संदेही का प्लास्टिक थैला एवं कला पिट्ठू को समस्त गवाहों के समक्ष चेक किया गया। चेकिंग के दौरान संदेही के कब्जे से दो पैकेट अलग-अलग रंग के दिखाई पड़े जो एक सफेद रंग के प्लास्टिक थैली में 15 किलोग्राम अवैध गांजा एवं दूसरे नीले रंग के प्लास्टिक थैली में 10 किलोग्राम अवैध गांजा को समक्ष गांव के कब्जा पुलिस लिया गया। अवैध गांजा के प्रकरण में आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर धारा 20 (ख) एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत विवेचनामें लिया गया। आरोपी काला कान्हू उर्फ कान्हा टांडी* के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।पुलिस अधीक्षक गरियाबंद वेदव्रत सिरमौर के दिशा-निर्देश में ऑपरेशन निश्चय के तहत लगातार जिले के थाना क्षेत्रों में अवैध शराब, गांजा के विरूद्ध कार्यवाही जारी है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26